RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रुबरु

स्मार्ट हलचल

smarthalchal.com

वर्ष-10 | अंक-304 | जयपुर, शुक्रवार, 01 मई 2026 | मूल्य-4 रुपये

जबलपुर के बरगी डैम में समा गया क्रूज, 4 की मौत, 15 से ज्यादा लापता

जबलपुर

मध्यप्रदेश के जबलपुर में नर्मदा नदी पर बने बरगी डैम में गुरुवार शाम बड़ा हादसा हो गया। पर्यटकों से भरा एमपी टूरिज्म का क्रूज तेज आंधी और तूफान के बीच डूब गया। हादसे में अब तक 4 शव बरामद किए गए हैं, जबकि 22 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। वहीं 15 से अधिक लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं।

पुलिस और प्रशासन के मुताबिक क्रूज में करीब 40 से 45 पर्यटक सवार थे। हादसा डैम किनारे से लगभग 300 मीटर अंदर हुआ। बताया जा रहा है कि तेज हवाओं और बारिश के कारण क्रूज अनियंत्रित होकर डूब गया।

बरगी सिटी CSP अंजुल मिश्रा ने बताया कि शुरुआती रेस्क्यू में SDRF ने कई लोगों को बचाया, लेकिन अंधेरा और खराब मौसम ने राहत कार्य को मुश्किल बना दिया।

वहीं कलेक्टर राघवेंद्र सिंह का कहना है कि 4 शवों को बरामद किया गया है। रेस्क्यू जारी है।

20 फीट गहराई में फंसा

जानकारी के अनुसार क्रूज करीब 20 फीट गहरे पानी में फंसा हुआ है। जेसीबी और नाव की मदद से उसे लगभग 30 मीटर तक खींचा गया, लेकिन आगे ले जाने में सफलता नहीं मिली। अब पोकलेन मशीन और भारी उपकरणों की मदद से क्रूज को किनारे लाने की कोशिश की जा रही है। साथ ही, रेस्क्यू में सुविधा के लिए गड्ढा खोदने की भी तैयारी है।

लाइफ जैकेट पहनने का मौका नहीं मिला

क्रूज पायलट महेश ने बताया कि वह 10 साल से सेवा में है और सभी सुरक्षा उपकरण मौजूद थे, लेकिन तूफान इतनी तेजी से आया कि यात्रियों को लाइफ जैकेट पहनने का मौका नहीं मिला। अधिकारियों के मुताबिक मृतकों और लापता लोगों की संख्या में बदलाव संभव है क्योंकि रेस्क्यू ऑपरेशन अभी भी जारी है।

40 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चली हवा

हादसे के समय यहां 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चल रही थी। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक हवा की रफ्तार अगले कुछ घंटों में 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटा भी हो सकती है।

20 साल पुराना है क्रूज

पर्यटन विभाग के अधिकारी योगेंद्र रिछारिया ने बताया कि बरगी डैम में एक क्रूज संचालित किया जा रहा है। इसका निर्माण 2006 में किया गया था। इसकी क्षमता 60 यात्रियों की है। वहीं दूसरा क्रूज खराब है। आयुध निर्माणी खमरिया के,3 सेक्शन में कार्यरत कर्मचारी कामराज आर्य परिवार के 15 लोगों के साथ घूमने गए थे। कामराज के माता-पिता भी साथ में थे, लेकिन वह डैम के किनारे बैठे हुए थे। कामराज के साथ उनकी पत्नी, भाभी और बच्चे क्रूज में घूमने गए हुए थे। कामराज मूलतः कर्नाटक के रहने वाले हैं। कामराज के एक बेटे को बचा लिया गया है। वहीं कामराज, उनकी पत्नी और बेटा अब भी लापता है।

सीएम मोहन यादव ने जताया दुख

जबलपुर के बरगी बांध में हुए इस दर्दनाक हादसे पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा- 'इस दर्दनाक हादसे में हुई जनहानि अत्यंत पीड़ादायक है। शोक-संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और परिजनों को इस कठिन घड़ी में धैर्य दे। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को 4 लाख की आर्थिक सहायता देने के निर्देश भी दिए हैं।

भवानीपुर स्ट्रॉन्ग रूम में 4 घंटे रहीं ममता बनर्जी

किसी भी हाल में ईवीएम लूटने नहीं देंगे

चुनाव आयोग बोला- पोस्टल बैलट छंट रहे थे, ईवीएम सुरक्षित

नई दिल्ली/कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी गुरुवार की देर रात कोलकाता के शेखावत मेमोरियल स्कूल स्थित स्ट्रांग रूम से बाहर निकलीं। ममता बनर्जी ने मतगणना प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ की कोशिश के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने मतगणना में संभावित कदाचार का आरोप लगाया। इसके बाद ममता बनर्जी ने कहा, 'अगर ईवीएम लूटने की कोशिश हुई और मतगणना में हेरफेर की कोशिश हुई तो हम जान की बाजी लाकर लड़ेंगे। अगर गड़बड़ी हुई तो हम लड़ेंगे।'

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख ने कहा, मैं यहां इसलिए आई हूं, क्योंकि यहां ईवीएम के लिए एक स्ट्रांग रूम है। हमें कई जगहों पर गड़बड़ी मिली है, इसलिए जब मैंने इसे टीवी पर देखा, तो मैंने सोचा कि मुझे यहां आना चाहिए। मैं आई, लेकिन केंद्रीय बलों ने मुझे रोक दिया।

मैंने कहा कि मुझे जाने का अधिकार है, चुनाव नियमों के अनुसार, उम्मीदवारों को सीलबंद कमरे के बाहर तक जाने की अनुमति है। तब मुझे जाने दिया गया।

ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग को दी धमकी

ममता बनर्जी ने भवानीपुर स्ट्रांग रूम के बाहर मीडिया से बातचीत में कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा, ''हमारे एजेंट्स का उत्पीड़न किया गया। हमारे कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट की गई और उनके साथ खराब व्यवहार किया गया।'' उन्होंने चुनाव आयोग की धमकी देते हुए कहा कि मतगणना करने के लिए ये लोग गुजरात से आए हैं, ये हमारा इलाका है। हम एक इशारे पर 10 हजार लोग यहां खड़ा कर सकते हैं।

पश्चिम बंगाल में मतगणना से पहले ईवीएम और मतपत्रों को लेकर उठे विवाद के बीच चुनाव आयोग के अधिकारियों ने टीएमसी की ओर से लगाए गए 'बिना किसी संबंधित पार्टी एजेंट्स की मौजूदगी के मतपेटियां खोलने' के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि मुख्य स्ट्रांग रूम पूरी तरह से सुरक्षित और बंद हैं, जबकि मतपत्रों का विभाजन स्ट्रांग रूम के गलियारे में किया जा रहा है।

एक वीडियो का हवाला देते हुए चुनाव आयोग के अधिकारियों ने बताया कि खुदीराम अनुशीलन केंद्र के अंदर स्थित सात विधानसभा क्षेत्रों के स्ट्रांग रूम को कल मतदान संपन्न होने के बाद उम्मीदवारों/चुनाव एजेंटों और सामान्य पर्यवेक्षक की उपस्थिति में विधिवत रूप से बंद और सील कर दिया गया था।

जालंधर से दो आईएसआई जासूसी मॉड्यूल का भंडाफोड़, 3 गिरफ्तार

जालंधर

पंजाब पुलिस ने आईएसआई समर्थित दो अलग-अलग जासूसी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करके तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जो संवेदनशील सैन्य ठिकानों की निगरानी कर उनकी लाइव फुटेज पाकिस्तान में बैठे हैंडलरों तक पहुंचा रहे थे।

पंजाब डीजीपी गौरव यादव ने गुरुवार को बताया कि इन मॉड्यूल में हाई-टेक चीनी सीसीटीवी कैमरों का इस्तेमाल किया जा रहा था। उन्होंने बताया काउंटर इंटेलिजेंस जालंधर ने एक ऑपरेटिव को गिरफ्तार कर पहले मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। उसके के कब्जे से 4जी कनेक्टिविटी वाला चीनी

सीसीटीवी कैमरा, सोलर प्लेट बरामद की गई। इसी तरह कपूरथला पुलिस ने एक केंद्रीय एजेंसी के साथ संयुक्त ऑपरेशन में दो अन्य आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनके पास 4 मोबाइल फोन, एक सिम-आधारित सीसीटीवी कैमरा और एक वाई-फाई सेट बरामद किया गया है।

केंद्र से कहा- अपने कानून में बदलाव करें, अभी 24 हफ्ते तक गर्भपात का नियम

रेप विक्टिम के अबॉर्शन पर टाइम लिमिट हटाएं

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने 15 साल की रेप विक्टिम को 30 हफ्ते की प्रेग्नेंसी में अबॉर्शन के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने केंद्र से कहा कि ऐसे मामलों में अबॉर्शन के लिए टाइम लिमिट से जुड़े कानून में बदलाव करना चाहिए।।

CJI ने कहा, 'कानून ऐसा होना चाहिए, जो समय के साथ बदलता रहे और मौजूदा हालात के अनुसार चले। नाबालिग को जबरन मां बनने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। ऐसे मामलों

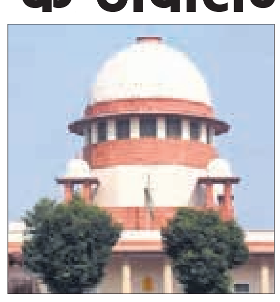

में फैसला पीड़ित का ही होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने 24 अप्रैल को करीब सात महीने प्रेग्नेंट 15 साल की लड़की को अबॉर्शन की इजाजत दी थी। इसके खिलाफ AIIMS ने याचिका लगाई थी। क्योंकि अभी भारत का कानून रेप मामलों में 24 हफ्ते तक की प्रेग्नेंसी में ही अबॉर्शन की इजाजत देता है।

15 साल की लड़की एक नाबालिग लड़के के साथ आपसी सहमति से संबंध के कारण प्रेग्नेंट हुई थी। नाबालिग की मां ने मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट में तय समयसीमा से आगे जाकर बेटी के अबॉर्शन की इजाजत मांगी थी। लड़की ने भी कहा था कि वह प्रेग्नेंसी जारी नहीं रखना चाहती।

AIIMS ने कोर्ट से कहा था कि 30 हफ्ते की प्रेग्नेंसी में भ्रूण एक जीव का आकार ले चुका होता है और इस स्टेज पर अबॉर्शन सफल नहीं हो सकता। डॉक्टरों ने यह भी कहा कि अबॉर्शन से नाबालिग मां को भी खतरा है। वह भविष्य में शायद फिर कभी मां नहीं बन पाएगी।

AIIMS की दलील पर कोर्ट ने कहा- आपका सारा ध्यान सिर्फ बच्चे (भ्रूण) पर है, उस मां पर नहीं जिसने इतना दर्द सहा है। यह चाइल्ड रेप का मामला है। पीड़ित को जिंदगीभर का दर्द और ट्रॉमा झेलना पड़ेगा। अब यह भ्रूण बनाम नाबालिग बच्ची की लड़ाई है।

नाबालिग प्रेग्नेंसी से तनाव में है

24 अप्रैल को सुनवाई में विक्टिम के वकील ने बताया था कि इस प्रेग्नेंसी ने नाबालिग को गंभीर मानसिक तनाव दिया है और उसकी पढ़ाई पर भी असर पड़ा है। कोर्ट को बताया गया कि नाबालिग में पहले से ही गंभीर मानसिक तनाव के संकेत दिख रहे हैं। वह आत्महत्या की कोशिश भी कर चुकी है।

5 करोड़ रुपए से भरी कैश वैन में आग लगी, हाईवे पर लगा जाम

निवाई (टोंक)

टोंक जिले में जयपुर-कोटा नेशनल हाईवे-52 पर बैंक का कैश ले जा रही वैन में आग लग गई। घटना के समय वैन में 3 बक्सों में करीब 5 करोड़ रुपए भरे हुए थे। कर्मचारियों ने समय रहते कैश के बक्से निकाल लिए थे। कैश वैन जयपुर से भीलवाड़ा की ओर जा रही थी। घटना निवाई में 80 फीट रोड के पास ओवरब्रिज पर गुरुवार दोपहर करीब 1 बजे की है।

बोनट से धुआं निकलते देख ड्राइवर ने गाड़ी रोकी और बोनट उठाया तो आग की लपटें निकलने लगी। आग लगने से गाड़ी के चारों टायर, सीटें और प्लास्टिक की बॉडी जलकर राख हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने 25 मिनट में आग पर काबू पाया।

थाना प्रभारी घासीराम ने बताया- HDFC बैंक की कैश वैन जयपुर से भीलवाड़ा की ओर जा रही थी। वैन में तीन बक्सों में कैश भरा हुआ था। नेशनल हाईवे-52 पर निवाई में 80 फीट रोड के पास ओवरब्रिज पर वैन के बोनट से धुआं निकलने लगा। वैन में सवार दो गार्ड और ड्राइवर ने तुरंत वैन रोकी और बोनट खोलते ही आग की लपटें दिखाई दी।

घटना की सूचना मिलते ही निवाई थाने के एएसआई आत्मराम जाट मौके पर पहुंचे। आत्माराम ने बताया कि वैन में तीन बक्सों में करीब 5 करोड़ कैश भरा हुआ था।

ईरान बोला- भारतीय जहाजों के गुजरने पर रोक नहीं

10 हजार भारतीयों की सुरक्षा प्राथमिकता, चाबहार रेलवे लाइन का 90% काम पूरा

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

भारत में ईरान के राजदूत डॉ. मोहम्मद फतहाली ने कहा है कि संघर्ष के बावजूद ईरान होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की सुरक्षित आवाजाही तय कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत सहित सभी दोस्त देशों के जहाजों पर किसी तरह की रोक नहीं है। एक इंटरव्यू में फतहाली ने कहा कि जो देश ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल की कार्रवाई में

शामिल नहीं हैं, उनके जहाज सामान्य तरीके से होर्मुज से गुजर सकते हैं। कई भारतीय जहाज इस रास्ते से गुजर भी चुके हैं।

उन्होंने चाबहार पोर्ट को रीजनल कनेक्टिविटी के लिहाज से बेहद अहम बताते हुए कहा कि यह परियोजना लगातार आगे बढ़ रही है और कभी रुकी नहीं है। फतहाली के मुताबिक चाबहार-जोहेदान रेलवे लाइन का लगभग 90% काम पूरा हो चुका है और जल्द ही रेल लाइन बिछाने का काम खत्म हो जाएगा।

फतहाली ने यह भी कहा कि ईरान में रहने वाले करीब 10 हजार भारतीय नागरिकों की सुरक्षा तय करना सरकार की प्राथमिकता है। ईरान भारतीयों और अपने नागरिकों में कोई भेदभाव नहीं करता है।

देश के विदेश मंत्रालय ने आज जारी की गई घोषणा में क्षेत्रीय घटनाक्रमों का हवाला देते हुए उन देशों में रहने वाले या वर्तमान में यात्रा कर रहे अमीरातियों से तुरंत देश छोड़ने और घर लौटने का आग्रह किया गया है।

जून से अगस्त के बीच कैलाश मानसरोवर यात्रा

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय चीन के साथ समन्वय करते हुए जून से अगस्त के बीच कैलाश मानसरोवर यात्रा आयोजित कर रहा है। इस वर्ष 10 जत्थे उत्तराखंड के रास्ते लिपुलेख दर्रे से होकर यात्रा करेंगे और अन्य 10 जत्थे सिक्किम के रास्ते नाथू ला दर्रे से होकर यात्रा करेंगे। हर जत्थे में 50 यात्री होंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार आवेदन स्वीकार के लिए वेबसाइट kmy.gov.in खोल दी है। यात्रियों का चयन आवेदकों में से एक निष्पक्ष, कंप्यूटर-जनित, रैंडम, लिंग-संतुलित चयन प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा।

एक्सप्रेस-वे पर चलती कार में आग, 5 जिंदा जले

अलवर

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर अलवर जिले के लक्ष्मणगढ़ थाना क्षेत्र में देर रात चलती कार में आग लगने से एक ही परिवार के 5 लोग जिंदा जल गए। चालक गंभीर रूप से झुलस गया। उसे जयपुर के एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा बुधवार रात करीब 11 बजे मौजपुर के पास हुआ। पुलिस के अनुसार, मध्य प्रदेश के श्योपुर के चैनपुरा गांव निवासी परिवार वैष्णो देवी से दर्शन कर लौट रहा था। परिवार ने कार किराए

पर ली थी। मौजपुर के पास पहुंचते ही कार में अचानक सीएनजी गैस का रिसाव हुआ, जिससे तुरंत आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कार में सवार लोगों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिल सका। चालक किसी तरह बाहर निकलने में सफल रहा, लेकिन वह भी गंभीर रूप से झुलस गया। सूचना मिलते ही लक्ष्मणगढ़ थाना पुलिस और दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया। आग बुझने के बाद कार पूरी तरह जल चुकी थी।

लक्ष्मणगढ़ थाना प्रभारी नेकीराम ने बताया कि यह घटना रात करीब 11 बजे की है। वाहन सीएनजी और पेट्रोल से संचालित था। गैस रिसाव के कारण आग लगी, जो देखते ही देखते भीषण रूप ले गई। हादसे में 3 महिलाएं, एक पुरुष और एक बच्ची की मौके पर ही जिंदा जलकर मौत हो गई। आग इतनी तीव्र थी कि शव पूरी तरह जल गए, जिनकी पहचान डीएनए जांच से कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि मौके पर मेडिकल टीम को बुलाया गया है और मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी गई है। इस बीच अलवर पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी भी रात में ही मौके पर पहुंच गए और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

पुलिस के अनुसार, मौजपुर में एसएसबी ट्रेनिंग सेंटर के पास कार में अचानक आग लगी। रेस्कूयू टीम को आग बुझाने के बाद कार में से केवल हड्डियां मिलीं हैं।

ऑपरेशन सिंदूर में दिखाई सैन्य ताकत, हमने अपनी शर्तों पर युद्ध को रोका : राजनाथ

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को नई दिल्ली में एक राष्ट्रीय सुरक्षा शिखर सम्मेलन में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया को साफ संदेश दिया कि किसी भी हालत में आतंकवाद की कोई भी हरकत बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर को इस खतरे के खिलाफ सरकार के पक्के इरादे का सबूत बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि आतंकवाद एक गलत सोच से निकलता है, जिसे धार्मिक रंग देकर या हिंसक सोच से जोड़कर सही ठहराने की कोशिश की जाती है।

राजनाथ सिंह ने कहा आतंकवाद एक बिगड़ी हुई और गलत सोच से पैदा होता है। यह इंसानियत पर एक काला धब्बा है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई सिर्फ नेशनल सिक्योरिटी का मामला नहीं, बल्कि यह असल में इंसानियत के खास मूल्यों की रक्षा करने की लड़ाई है। यह ऐसी वहशी सोच के खिलाफ लड़ाई है, जो हर इंसानी मूल्य के सीधे खिलाफ है। हमने देश और विदेश दोनों जगह इस भारतीय नजरिए को साफ तौर पर बताया है। आतंकवाद सिर्फ एक देश विरोधी काम नहीं है। इसके कई पहलू हैं- ऑपरेशनल, वैचारिक, राजनीतिक। इससे तभी निपटा जा सकता है, जब हम इन सभी पहलुओं से निपटें।

रक्षा मंत्री ने कहा कि जब तक आतंकवाद रहेगा, यह सबकी शांति, विकास और खुशहाली को चुनौती देता रहेगा। आतंकवाद को धार्मिक रंग देकर या नक्सलवाद जैसी हिंसक सोच से जोड़कर उसे सही ठहराने की कोशिश की जाती है।

डीआरडीओ-नेवी का सफल परीक्षण

हेलिकॉप्टर से पहली बार एक साथ 2 मिसाइल लॉन्च

जरूरत पड़ने पर हवा में टारगेट बदल सकते है

नई दिल्ली

डीआरडीओ और नौसेना ने बुधवार को बंगाल की खाड़ी में हेलिकॉप्टर से शॉर्ट रेंज नेवल एंटी-शिप मिसाइल को सफल लॉन्च किया। इस दौरान एक हेलिकॉप्टर से कुछ ही सेकेंड के अंतर पर दो मिसाइलें दागी गईं। दोनों ने समुद्री जहाज के निचले हिस्से पर सटीक निशाना लगाया। इसके जरिए भारत ने साल्वो लॉन्च क्षमता को परखा। यानी एक लॉन्चर से कम समय में ज्यादा मिसाइलें दागना। यह तकनीक दुश्मन के रडार सिस्टम को चकमा दे सकती है। ओडिशा के चांदीपुर की टेस्ट रेंज में लगे रडार,

इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल सिस्टम और टेलीमेट्री के जरिए मिसाइल की पूरी उड़ान और निशाने को ट्रैक किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि इस मिसाइल के बनने से सेना की ताकत काफी बढ़ेगी। मिसाइल ने समुद्री जहाज के उस हिस्से को निशाना बनाया, जहां हमला होने पर ज्यादा नुकसान होता है। मिसाइल में शुरुआत के लिए बूस्टर और आगे उड़ान बनाए रखने के लिए अलग सिस्टम लगा है। साथ ही टारगेट पहचानने, रास्ता तय करने और ऊंचाई बनाए रखने के लिए कई तकनीकें जोड़ी गई हैं।

मिसाइल में ऐसा सिस्टम है, जिससे उड़ते वक्त भी उसे नई जानकारी दी जा सकती है। जरूरत पड़ने पर दिशा बदली जा सकती है।

इस मिसाइल को DRDO की अलग-अलग लैब्स और भारतीय उद्योगों ने मिलकर तैयार किया है। अब इसका उत्पादन भी देश में ही किया जा रहा है।

इससे पहले शनिवार को DRDO और नौसेना ने एक नए युद्धपोत प्रोजेक्ट के लिए हाइड्रोडायनामिक परफॉर्मेंस और मॉडल टेस्टिंग पूरी की। यह काम नेवल साइंस एंड टेक्नोलॉजिकल लैबोरेटरी और नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो ने मिलकर किया।

टेस्ट में जहाज की रफ्तार, पानी में उसका व्यवहार, इंजन से मिलने वाली ताकत और मोड़ने की क्षमता जैसे अहम पहलुओं को परखा गया। नतीजे अंतरराष्ट्रीय स्तर के बराबर पाए गए।

निकायों में अफसरों को प्रशासक बनाने के आदेश पर रोक

सरकार ने जवाब नहीं दिया, वकील भी पेश नहीं हुआ

जोधपुर

राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर मुख्यपीठ ने निकायों में अधिकारियों को प्रशासक बनाने के आदेश पर रोक लगा दी है। स्वायत्त शासन विभाग ने 7 फरवरी को आदेश जारी कर प्रदेश के नगर निकायों में नए बोर्ड के गठन तक महापौर, सभापति और अध्यक्ष की शक्तियां आयुक्त और अधिशासी अधिकारी (ईओ) को सौंप दी थी।

कोर्ट ने डीएलबी के इस आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने गुरुवार को राज्य सरकार द्वारा जवाब पेश नहीं करने और वकीलों की गैरमौजूदगी पर नाराजगी जताते हुए यह महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश पारित किया।

पाली जिले के खुडाला-फालना के पूर्व पार्षद भरत कुमार चौधरी ने अपने एडवोकेट दिविक माथुर के जरिए यह याचिका दायर की थी। याचिका में स्वायत्त शासन विभाग के आयुक्त और शासन सचिव की ओर से 7 फरवरी 2026 को जारी आदेश को चुनौती दी गई थी।

इस आदेश में राजस्थान नगरपालिका अधिनियम-2009 की धारा 326 का प्रयोग करते हुए नगर निगम, परिषद और पालिकाओं में महापौर, सभापति, अध्यक्ष और वित्त समिति की शक्तियों के प्रयोग के लिए नए बोर्ड के गठन तक आयुक्त या अधिशासी अधिकारी को अधिकृत किया गया था।

ई-रिक्शा से वोट डालने पहुंचीं महुआ मोइत्रा, बोलीं- लोकतंत्र बचाने की लड़ाई

कोलकाता (एजेंसी)। महुआ मोइत्रा ने बुधवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के दौरान मतदान कर चुनाव को 'लोकतंत्र बचाने की लड़ाई' बताया। नदिया जिले के करीमपुर गर्ल्स हाई स्कूल स्थित मतदान केंद्र पर वोट डालने के बाद उन्होंने चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए मतदाताओं से बड़ी संख्या में भागीदारी की अपील की। मोइत्रा ई-रिक्शा (टोटो) से मतदान केंद्र पहुंचीं। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग ने उन्हें मोटरसाइकिल से आने की अनुमति नहीं दी थी, इसलिए उन्हें वैकल्पिक साधन का उपयोग करना पड़ा। मतदान के बाद उन्होंने आरोप लगाया कि बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं। उनके अनुसार, 'करीब 27 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं और जो लोग सूची में हैं, वे इस बार 100 प्रतिशत मतदान करेंगे। इसी वजह से मतदान प्रतिशत काफी अधिक रहने वाला है।' उन्होंने आगे कहा कि जनता इस बार 'बदले की भावना' के साथ वोट कर रही है और केंद्र सरकार व चुनाव आयोग को जवाब देगी। मोइत्रा ने इसे सीधे तौर पर लोकतंत्र की रक्षा की लड़ाई बताते हुए कहा कि लोगों में भारी आक्रोश है।

जमानत के बाद भी शिलॉन्ग में ही रहना होगा सोनम रघुवंशी को

शिलांग (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के इंदौर नगर के चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड में बड़ा मोड़ सामने आया है। मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी को करीब 320 दिन बाद जमानत मिल गई है। हालांकि, अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि वह बिना अनुमति शिलांग नहीं छोड़ सकतीं और ट्रायल के दौरान वहीं रहना होगा। मेघालय की राजधानी शिलांग की अदालत ने सोमवार को जमानत मंजूर की थी। इसके बाद मंगलवार को उनके पिता देवी सिंह शिलॉन्ग पहुंचे और जमानत की औपचारिकताएं पूरी कीं। मंगलवार शाम को ही सोनम जेल से रिहा भी हो गईं। रिहाई के बाद उन्होंने मीडिया के सवालों का कोई जवाब नहीं दिया और पिता के साथ वहां से चली गईं। यहां बताते चलें कि यह मामला उस समय चर्चा में आया था जब राजा रघुवंशी की हनीमून के दौरान हत्या कर दी गई थी। इस मामले में सोनम मुख्य आरोपी के तौर पर गिरफ्तार हुई थीं। अदालत ने चौथी सुनवाई के बाद सोनम को राहत दी है। जमानत का सबसे बड़ा आधार गिरफ्तारी प्रक्रिया में पाई गई खामियां रहीं। बचाव पक्ष ने दलील दी कि 7 जून 2025 को गाजिपुर में गिरफ्तारी के समय आरोपों की स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई थी। अदालत ने जांच के दस्तावेजों में गंभीर त्रुटियां पाईं और कहा कि यह प्रक्रिया कानून के अनुरूप नहीं थी। कोर्ट ने आर्टिकल 22(1) ऑफ द कॉन्सटिट्यूशन ऑफ इंडिया का हवाला देते हुए कहा कि किसी भी गिरफ्तार व्यक्ति को तुरंत गिरफ्तारी के कारण बताना अनिवार्य है। ऐसा न करना मौलिक अधिकारों का उल्लंघन माना जाएगा। इसी आधार पर अदालत ने सोनम को जमानत दी, लेकिन सख्त शर्तें भी लगाईं। उन्हें ट्रायल के दौरान शिलॉन्ग में ही रहना होगा और बिना अदालत की अनुमति शहर छोड़ने की इजाजत नहीं होगी। इस फैसले के बाद मामला एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। अब आगे की सुनवाई और ट्रायल की प्रक्रिया पर सभी की नजरें टिकी हैं।

भाजपा कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या, 16 राउंड फायरिंग से दहशत

पुणे (एजेंसी)। पूना के देहूरोड इलाके में मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात एक सनसनीखेज घटना में भाजपा कार्यकर्ता रमेश रेड्डी की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। इस वारदात के बाद इलाके में दहशत फैल गई और पुलिस ने जांच तेज कर दी है। जानकारी के अनुसार, रात करीब 9 बजे सवाना चौक पर मौजूद रमेश रेड्डी पर पहले से घात लगाए हमलावरों ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी। हमलावरों ने करीब 16 राउंड गोलियां चलाईं, जिनमें से एक गोली उनके सिर में लगी। गंभीर रूप से घायल अवस्था में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद देहूरोड क्षेत्र में हड़कंप मच गया। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और परिजन मौके पर पहुंच गए। किसी भी अप्रिय स्थिति को देखते हुए पिंपरी-चिंचवड़ पुलिस ने इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया है।

भाई की हत्या से जोड़कर देखी जा रही वारदात

मीडिया रिपोर्ट में प्राथमिक जानकारी से खुलासा हुआ है कि रमेश रेड्डी भाजपा से जुड़े कार्यकर्ता थे। उनका नाम कुछ विवादित गतिविधियों में भी सामने आता रहा है। मटका कारोबार से जुड़े होने की चर्चा भी है, हालांकि फिलहाल यह कारोबार बंद बताया जा रहा है। इस हत्या का संबंध पिछले वर्ष उनके भाई विक्रम गुरुस्वामी रेड्डी की हत्या से भी जोड़ा जा रहा है। विक्रम रेड्डी की मौत जन्मदिन पार्टी के दौरान हुई गोलीबारी में हुई थी। उस मामले में आरोपी अभी जेल में हैं और उन्हें जमानत नहीं मिली है। इसके बावजूद पुलिस इस एंगल से जांच कर रही है कि क्या किसी समझौते को लेकर विवाद इस नई घटना की वजह बना।

गाजियाबाद की गौर ग्रीन सोसाइटी में भीषण आग

गाजियाबाद (एजेंसी)। ,उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के इंदिरापुरम स्थित गौर ग्रीन एवेन्यू सोसाइटी में बुधवार सुबह भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग इतनी तेज थी कि कुछ ही मिनटों में 9वीं मंजिल से उठी लपटें 13वीं मंजिल तक पहुंच गईं और काले धुएं का गुबार दूर से ही दिखाई देने लगा। आग लगने की सूचना मिलते ही सोसाइटी में अफरा-तफरी मच गई। लोग अपने फ्लैट छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। हालांकि समय रहते राहत एवं बचाव कार्य शुरू होने से बड़ी जनहानि टल गई। सीएम योगी आदित्यनाथ ने घटना का तुरंत संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही पुलिस आयुक्त और जिलाधिकारी को मौके पर पहुंचकर स्थिति की निगरानी करने को कहा गया। दमकल विभाग की करीब 20 गाड़ियों ने कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फिलहाल आग बुझाने के साथ ही प्रभावित बिल्डिंग को ठंडा करने का कार्य जारी है। प्रारंभिक जांच में आग 9वीं मंजिल से शुरू होने की बात सामने आई है। आग शॉर्ट सर्किट से लगी या कोई कारण रहा अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है।

राजनाथ का बयान, आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को 'शर्मनाक क्लीन चिट'

अमेरिका के दबाव में पीएम मोदी के इशारे पर दिया गया बयान

नागपुर (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। नई दिल्ली में कांग्रेस ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पर गंभीर आरोप लगाकर कहा कि उन्होंने शंघाई सहयोग संगठन (शंघाई सहयोग संगठन) के सम्मेलन में आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को ÷शर्मनाक क्लीन चिट÷ दे दी। कांग्रेस पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि यह रुख प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उस नीति का हिस्सा है, जिसमें अमेरिका को संतुष्ट करने और चीन के सामने संतुलित समर्पण दिखाने की कोशिश हो रही है।

दरअसल, रक्षा मंत्री सिंह ने एससीओ सम्मेलन में कहा था कि 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत के दृढ़ संकल्प को दर्शाता है और अब आतंकवाद के केंद्रों को सजा से छूट नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि आतंकवाद की कोई राष्ट्रीयता या धर्म नहीं होता और किसी भी प्रकार की शिकायत-चाहे वास्तविक हो या काल्पनिक-आतंकवाद को सही ठहराने का आधार नहीं बन सकती।

रक्षा मंत्री सिंह के बयान पर प्रतिक्रिया देकर कांग्रेस नेता रमेश ने आरोप लगाया कि यह बयान प्रधानमंत्री मोदी की स्वीकृति और निर्देश पर दिया गया है और इस बयान से पाकिस्तान को अप्रत्यक्ष रूप से राहत मिलती है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या पाकिस्तान आतंकवाद का केंद्र नहीं है, क्या वहां भारत के खिलाफ काम करने वाले आतंकी शिविर नहीं हैं, और क्या भारत-विरोधी विचारधारा को वहां बढ़ावा नहीं मिलता है।

कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि मुंबई आतंकी हमला 2008 और पहलगाम से जुड़े आतंकी हमलों की साजिश में भी पाकिस्तान से जुड़े तत्वों की भूमिका रही है।

कांग्रेस नेता ने तुलना की कि यह स्थिति जून 2020 जैसी है, जब भारत-चीन तनाव के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के बयान को लेकर विपक्ष ने सवाल उठाए थे। उनके अनुसार, उस समय भी चीन को ÷क्लीन चिट÷ देने का आरोप लगा था। कुल मिलाकर, कांग्रेस ने मोदी सरकार पर विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर कमजोर रुख अपनाने का आरोप लगाया है, जबकि मोदी सरकार की ओर से इन आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

बंगाल चुनाव : बीजेपी के ईवीएम बटन पर टेप लगाया, सुवेंदु चोर के लगे नारे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल चुनाव के दूसरे चरण की 142 सीटों पर मतदान जारी है। दोपहर एक बजे तक 61.11फीसदी वोट डाले जा चुके थे। वोटिंग के दौरान कई विधानसभा क्षेत्रों से ईवीएम से छेड़छाड़, मारपीट, झड़प और नारेबाजी की घटनाएं सामने आईं। बीजेपी का आरोप है कि डायमंड हार्बर के फाल्टा में ईवीएम में बीजेपी के बटन पर टेप लगाकर ब्लॉक किया गया। चुनाव आयोग ने कहा है कि जिन मतदान केंद्रों पर ईवीएम में काले या सफेद टेप मिलने की शिकायत मिली है, वहां दोबारा चुनाव होंगे।

फाल्टा में सुरक्षाकर्मियों ने हंगामा कर रहे लोगों पर लाठीचार्ज किया। साउथ 24 परगना जिले में बीजेपी उम्मीदवार विकास सरदार ने टीएमसी कार्यकर्ताओं पर उनकी कार का शीशा तोड़ने का आरोप लगाया। उनके सुरक्षाकर्मी की बंदूक छीनने की कोशिश भी की गई। वहीं भवानीपुर में सीएम ममता के खिलाफ चुनाव लड़ रहे बीजेपी उम्मीदवार सुवेंदु अधिकारी को घेरकर टीएमसी समर्थकों ने चोर-चोर के नारे लगाए। सुवेंदु पोलिंग बूथ का निरीक्षण करने पहुंचे थे। पहले फेज की 152 सीटों पर 23 अप्रैल को रिकॉर्ड 93फीसदी मतदान हुआ है। 4 मई को रिजल्ट आएंगे।

बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने कहा है कि जिन मतदान केंद्रों पर ईवीएम में काले या सफेद टेप मिलने की शिकायत मिली है, वहां दोबारा मतदान कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर किसी एक विधानसभा क्षेत्र में बड़ी संख्या में बूथों पर ऐसी शिकायतें सामने आती हैं, तो पूरे विधानसभा क्षेत्र में ही दोबारा मतदान कराया जाएगा। आरामबाग से टीएमसी सांसद मिताली बाग व्हीलचेयर पर वोट देने पहुंचीं। 27 अप्रैल को मिताली बाग ने आरोप लगाया था कि चुनाव प्रचार के दौरान उनकी कार पर बीजेपी कार्यकर्ताओं ने हमला किया था। घटना के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

लोगों की भीड़ देख साफ हो गया कि पहले चरण का रिकॉर्ड भी टूटेगा

-बीजेपी नेता मिथुन ने डाला वोट कहा-बंगाल में बदलाव की आने वाली है बाढ़

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल चुनाव के दूसरे चरण के मतदान में बुधवार को सात जिलों की 142 सीटों पर सुबह से ही मतदान जारी है और आम लोगों से लेकर मंत्री और सांसद भी वोट डालने पहुंच रहे हैं। इसी बीच अभिनेता से नेता बने मिथुन चक्रवर्ती भी अपना वोट डालने पहुंचे और साफ किया कि इस बार बंगाल में बदलाव की बाढ़ आने वाली है। वोट देने के बाद मिथुन ने विश्वास दिलाया कि चुनाव पूरे निष्पक्ष तरीके से हो रहे हैं और सुरक्षा का भी पूरा ध्यान रखा गया है। वोटिंग शेयर बढ़ने के सवाल पर उन्होंने कहा कि जो लोगों की भीड़ देख रहा हूं, उससे साफ है कि पहले चरण का रिकॉर्ड भी टूटेगा और वोटिंग 90 फीसदी से भी ज्यादा होगी। अगर ऐसा हुआ तो समझ लेना परिवर्तन होने वाला है, लेकिन जीत की घोषणा होने से पहले मैं कुछ नही कहूंगा क्योंकि यह नियमों के खिलाफ है। बीजेपी नेता मिथुन चक्रवर्ती भले ही इस बार चुनावी मैदान में नहीं हैं, लेकिन पार्टी के लिए प्रचार कर रहे थे। उन्होंने कहा था कि फिलहाल वे चुनावों में हिस्सा नहीं लेंगे, लेकिन पार्टी के लिए काम करते रहेंगे। मिथुन लगातार मंचों से टीएमसी पर जमकर निशाना साध रहते रहे। उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा था कि अगर बंगाल में दोबारा टीएमसी आ जाती है तो उनका और बाकी हिंदुओं का बंगाल में रहना मुश्किल हो जाएगा और उन्हें अपने रहने के लिए दूसरी जगह ढूंढनी पड़ेगी। रिपोर्ट के मुताबिक अपने हालिया बयान में अभिनेता ने टीएमसी पर भ्रामक प्रचार करने का आरोप लगाया था। बंगाल में मछली-मांस बंद करने के आरोपों को खारिज करते हुए मिथुन ने कहा कि देश के कई राज्य हैं, जहां मछली-मांस खाया जा रहा है। देश में विशेष और धार्मिक पशु गाय के मांस को बेचने और खाने पर पाबंदी है। किसी भी राज्य में मछली-मांस खाने पर कोई भी प्रतिबंध नहीं है। टीएमसी के पास कोई और तरीका नहीं बचा है और वे अब भ्रामक प्रचार फैलाकर जनता को परेशान करना चाहती है।

तुर्की के दुश्मन देश ग्रीस में अपनी जबरदस्त पैठ बनाने में जुटा भारत

ग्रीस का एलेक्जेंड्रो पोलीपोट बंदरगाह भारतीय कंपनी को सौंपने की तैयारी

नई दिल्ली(एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के दोस्त देश ग्रीस से एक बड़ी खबर सामने आई है। ग्रीस का वहां बंदरगाह जो पूरे यूरोप की धड़कन कहा जाता है। अब भारत की मुट्ठी में आने वाला है। खबर है कि ग्रीस का एलेक्जेंड्रो पोलीपोट अब एक भारतीय कंपनी के अधिकार क्षेत्र में है। भारत की दिग्गज कंपनी बंदरगाह पोलीपोट को खरीदने या इसमें बड़ी हिस्सेदारी हासिल करने ग्रीस सरकार के साथ बातचीत कर रही है। यह डील सिर्फ बिजनेस के लिहाज से नहीं बल्कि भारत की रणनीतिक ताकत को सात समंदर पार स्थापित करने के लिहाज से बड़ी उपलब्धि है। पोलीपोर्ट की अहमियत को समझने के लिए इसकी लोकेशन बहुत जरुरी है। यह बंदरगाह बुल्गारिया, रोमानिया और यूक्रेन जैसे देशों के बिल्कुल करीब है। जब से रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू हुआ है। तब से यह पोर्ट पूरे यूरोप के लिए लाइफ लाइन बन गया है। नाटो देशों के टैंक हो, हथियार हो या फिर अनाज और गैस की सप्लाई हो सब कुछ इसी रास्ते से यूरोप के अंदर जा रहा है। और इसकारण कल तक जिस बंदरगाह को ग्रीस सरकार ने देश की सुरक्षा के लिए खतरा बताकर बेचने से रोक दिया था। आज वहीं इसकी चाबी भारत को सौंपने की तैयारी की जा रही है। इस पूरे घटनाक्रम के पीछे सबसे बड़ा एंगल चीन और तुर्की का है। ग्रीस का सबसे प्रमुख बंदरगाह पीरिय वर्तमान में पूरी तरह चीन की कंपनी कॉस्को के नियंत्रण में है। ग्रीस और बाकी यूरोपीय देश इस बात को लेकर परेशान है कि अगर उनके सबसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर चीन का कब्जा रहा, तब भविष्य में उनकी स्वायता खतरे में आ सकती है। भारत की एंट्री ने ग्रीस को एक भरोसेमंद विकल्प दिया है। भारत की छवि एक इसतरह के देश की है जो बिजनेस करता है लेकिन दूसरे देशों की जमीन या संप्रभुता पर कब्जा नहीं करता। वहीं तुर्की की ग्रीस से दुश्मनी किसी से नहीं छुपी और जब तुर्की पाकिस्तान का समर्थन कर रहा है। भारत का ग्रीस में होना तुर्की को बहुत खटकने वाला। भारत के लिए यह बंदरगाह एक गोल्डन गेट की तरह है क्योंकि भारत काफी समय से इंडिया मिडिल ईस्ट यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर आईएमसी पर काम कर रहा है। इस प्रोजेक्ट का मकसद भारत के सामान को अरब देशों के रास्ते सीधे यूरोप पहुंचाना है।

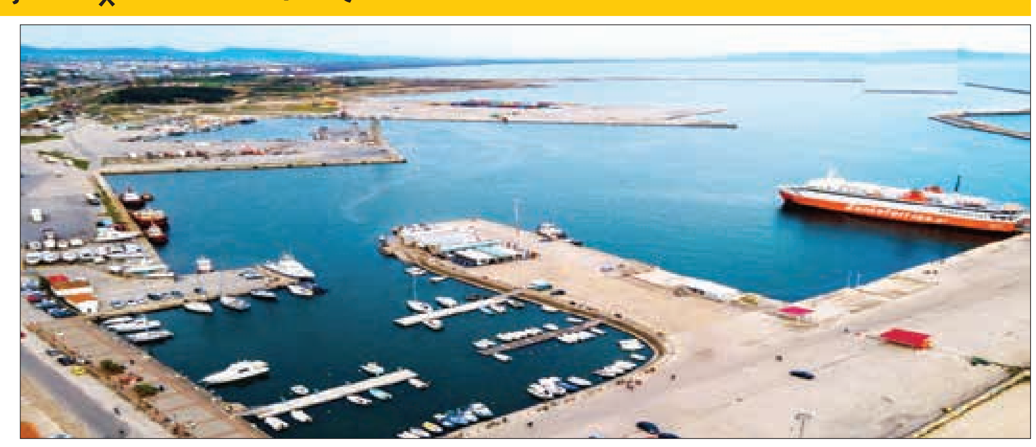

एलेक्जेंड्रो पोलीपोट कॉरिडोर का वहां आखिरी पड़ाव हो सकता है जहां से भारतीय माल पूरे यूरोप के बाजारों में फैल जाएगा। इससे ना सिर्फ भारत का निर्यात बढ़ेगा बल्कि स्वेज नहर जैसे रास्तों पर भारत की निर्भरता भी कम हो जाएगी। वहीं पोर्ट पर भारत का होना मतलब यूरोप की सप्लाई चेन और सुरक्षा के समीकरणों में भारत की परमानेंट सीट पक्की होगी। ग्रीस कैन रिपोर्ट्स पर जहां रूस और अमेरिका जैसे देशों की नजरें टिकी हैं। वहीं एलेक्जेंड्रो पोली में भारत की दावेदारी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हलचल मचा दी है। यह डील भारत की उस विदेश नीति का हिस्सा है जिसमें हम सिर्फ अपने पड़ोस तक सीमित नहीं है बल्कि वैश्विक स्तर पर अपनी मौजूदगी दर्ज करा रहे हैं।

'डिजिटल अरेस्ट' पर सख्ती: ठगों के मोबाइल नंबर और बैंक खाते ब्लॉक करने की तैयारी

सिम सत्यापन से लेकर बैंकिंग निगरानी तक कड़े उपाय

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में तेजी से बढ़ रहे 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे साइबर ठगी के मामलों पर अब केंद्र की मोदी सरकार ने सख्त रुख दिखाया है। इस बढ़ते खतरे को देखकर मोदी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक विस्तृत रिपोर्ट पेश कर ठगों के मोबाइल नंबर और बैंक खातों को ब्लॉक करने सहित कई कड़े कदमों का खाका तैयार किया है। रिपोर्ट के अनुसार, समस्या से निपटने के लिए दूरसंचार, डिजिटल प्लेटफॉर्म और बैंकिंग तंत्र के बीच समन्वित कार्रवाई की जाएगी। केंद्र सरकार ने दूरसंचार विभाग, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और भारतीय रिज़र्व बैंक जैसे प्रमुख संस्थानों को एक साथ काम करने के निर्देश देने की मांग की है, ताकि सुरक्षा उपायों को समयबद्ध तरीके से लागू किया जा सके।

दूरसंचार क्षेत्र में सबसे बड़ा बदलाव सिम कार्ड जारी करने की प्रक्रिया में देखने को मिलेगा। मोदी सरकार 'बायोमैट्रिक पहचान सत्यापन प्रणाली' को अनिवार्य बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है, जिससे फर्जी सिम कार्ड के इस्तेमाल पर रोक लग सके। इसके अलावा, सिम सक्रियण से जुड़े पॉइंट ऑफ सेल (पीएसओ) एजेंटों के लिए भी कड़े सत्यापन और जवाबदेही नियम लागू किए जाएंगे।केंद्र की सुप्रीम कोर्ट को सौंपी गई रिपोर्ट में प्रस्ताव है कि साइबर अपराध में इस्तेमाल होने वाले संदिग्ध मोबाइल नंबरों और सिम कार्डों को तुरंत ब्लॉक करे। साथ ही, दूरसंचार कंपनियों को जांच एजेंसियों के साथ रियल-टाइम डेटा साझा करने के निर्देश दिए जाएंगे, ताकि अपराधियों तक तेजी से पहुंचा जा सके।

डिजिटल प्लेटफॉर्म की भूमिका को लेकर भी मोदी सरकार सतर्क है। रिपोर्ट में व्हाट्सएप जैसे प्लेटफॉर्म के लिए 'सिम-बाइंडिंग' और उन्नत सुरक्षा तंत्र लागू करने की बात की गई है। इसके तहत संदिग्ध कॉल्स और लंबी धोखाधड़ी वार्ताओं की पहचान कर उन्हें रोका जा सकेगा। साथ ही, स्कैम में इस्तेमाल होने वाले डिवाइस की पहचान कर उन्हें ब्लॉक करने की व्यवस्था भी तैयार की जा रही है। वित्तीय क्षेत्र में, मोदी सरकार ने बैंक खातों पर तत्काल कार्रवाई के लिए नई व्यवस्था सुझाई है। भारतीय रिज़र्व बैंक की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के तहत संदिग्ध खातों पर अस्थायी डेबिट रोक लगाने का प्रावधान लागू किया जाएगा। इससे धोखाधड़ी के मामलों में पीड़ितों के नुकसान को कम करने में मदद मिलेगी। 'डिजिटल अरेस्ट' स्कैम में अपराधी खुद को पुलिस या जांच एजेंसी का अधिकारी बताकर लोगों को डराते हैं और जुर्माना या सुरक्षा फीस के नाम पर पैसे ठगते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 में इस तरह के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है और इसका शिकार आम नागरिकों से लेकर अधिकारी और बुजुर्ग तक हो रहे हैं।

हाईकोर्ट ने आसाराम बापू की अंतरिम जमानत अवधि 25 मई तक बढ़ाई

-नाबालिग से दुष्कर्म मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर बेंच ने आसाराम बापू की अंतरिम जमानत अवधि 25 मई तक बढ़ा दी है। आसाराम की जमानत अवधि 6 मई को खत्म हो रही थी। आसाराम ने जमानत अवधि बढ़ाने के लिए प्रार्थना पत्र पेश किया था। उस प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एसपी शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की बेंच ने बुधवार को आसाराम की जमानत अवधि को 25 मई तक बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आसाराम की ओर से पैरवी करते हुए उनके वकील यशपाल राजपुरोहित ने कोर्ट को बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद हाईकोर्ट उनकी अपील पर सुनवाई पूरी करके फैसला सुरक्षित रखा है। उन्होंने कहा कि आसाराम का इलाज

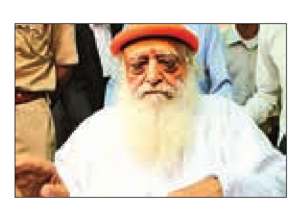

अभी जारी है। ऐसे में इलाज पूरा होने तक जमानत की अवधि बढ़ाई जाए। राजस्थान हाईकोर्ट ने आसाराम को 29 अक्टूबर 2025 को जमानत दी थी। कार्यवाहक चीफ जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की डिवीजन बेंच ने जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया था।

रिपोर्ट के मुताबिक याचिका मेडिकल आधार पर लगाई गई थी। राजस्थान हाईकोर्ट से आसाराम को तब पहली बार जमानत मिली थी। इससे पहले अंतरिम जमानत खत्म होने के बाद उसने 30 अगस्त 2025 को सरेंडर किया था। बता दें नाबालिग से दुष्कर्म मामले में अप्रैल 2018 से आजीवन कारावास की सजा आसाराम काट रहा है। करीब 12 साल की कैद के बाद पहली बार 7 जनवरी 2025 को उसे मेडिकल कारणों से अंतरिम जमानत दी गई थी।

राजस्थान हाईकोर्ट में 29 अक्टूबर 2025 को आसाराम की सजा स्थगन और मेडिकल ग्राउंड पर जमानत की याचिका पर सुनवाई हुई थी। आसाराम की ओर से दिल्ली से आए सीनियर वकील ने पैरवी की थी। राजस्थान सरकार की ओर से एडिशनल एडवोकेट जनरल दीपक चौधरी ने दलील रखीं। पीड़िता की ओर से एडवोकेट पीसी सोलंकी ने पैरवी की। सभी पक्षों को सुनने के बाद बेंच ने 6 महीने की जमानत दी थी। यह जमानत 6 मई 2026 को खत्म हो रही थी।

क्रूड ऑयल की किल्लत से अब भारत में सड़क बनाना भी हुआ मुश्किल

-ईरान ने होर्मुज को कर रखा है बंद तो अमेरिका ने कर रखी है नाकाबंदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान-अमेरिका की बीच दूसरे चरण की वार्ता ना होने से तेल बाजार एक बार फिर उछाल आया। एक उम्मीद जगी थी कि शायद जल्द ही होर्मुज खुल जाए। हालांकि अब इसका कोई रास्ता फिलहाल नजर नहीं आ रहा है। ऐसे में ब्रेंट ऑइल की कीमतें 2.5 फीसदी की वृद्धि के साथ 107.97 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक तेहरान की तरफ से ट्रंप के सामने एक नया प्रस्ताव रखा गया है। इसमें कहा गया है कि होर्मुज खोलने को लेकर पहले बात होनी चाहिए और परमाणु मुद्दे पर बात बाद में भी हो सकती है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वैसे तो अमेरका और ईरान के बीच युद्धविराम चल रहा है लेकिन होर्मुज का रास्ता अब भी बंद है। एक तरफ अमेरिका ने नाकेबंदी कर रखी है। इसी वजह से ईरान भी होर्मुज को खोलने को तैयार नहीं है। इसके चलते उर्वरक, प्राकृतिक गैस, फ्यलू और कच्चे तेल की सप्लाई ठप हो गई है। जानकारों का कहना है कि अगर स्थितियां ऐसी ही बनी रहीं तो आने वाले समय में कच्चे तेल की कीमतों में और इजाफा होगा। वहीं पेट्रोल और डीजल की किल्लत बढ़ सकती है।

लाइव लॉन्ग वेल्थ के संस्थापक और शोध विश्लेषक ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव, विशेषकर होर्मुज के आसपास की स्थिति और अमेरिका-ईरान वार्ता में गतिरोध से वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता बढ़ी है। इससे कच्चे तेल की कीमतों पर सीधा असर पड़ रहा है और ब्रेंट क्रूड 107 डॉलर प्रति बैरल के आसपास है। उन्होंने कहा कि भारत के लिए ऊंची तेल कीमतें सबसे अहम आर्थिक कारक हैं, क्योंकि इससे महंगाई, रुपए और कंपनियों के मुनाफे पर दबाव पड़ता है।

अमेरिका-ईरान के बीच जारी तनाव और कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित होने से यूपी में सड़कों के निर्माण के लिए डामर (बिटुमिन) का संकट गहरा गया है। इसका असर हमीरपुर जिले में लोक निर्माण विभाग की सड़क परियोजनाओं पर साफ दिखाई दे रहा है। कई सड़कें अधर में लटक गई हैं, जबकि कुछ स्थानों पर गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। विभाग के अधीक्षण अभियंता ने बताया कि सड़क निर्माण में उपयोग होने वाला डामर क्रूड ऑयल से तैयार होता है और भारत में इसके लिए ईरान समेत अन्य देशों से कच्चे तेल का आयात किया जाता है। अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ते तनाव से इसकी आपूर्ति प्रभावित हुई है।

उन्होंने बताया कि जब ठेकेदारों ने टेंडर डाले थे, उस समय डामर की कीमत करीब 42 हजार रुपए प्रति मीट्रिक टन थी, लेकिन अब जीएसटी समेत यह बढ़कर करीब एक लाख रुपए प्रति मीट्रिक टन तक पहुंच गई है। डामर की कीमतों में इस भारी वृद्धि से ठेकेदारों में हड़कंप मचा है।

बंथली गांव की सरकारी जमीन पर बेखौफ अवैध माइनिंग क्रेन लगाकर दिनदहाड़े खोदा जा रहा खसरा नंबर 635

एक तरफ सरकार कर रही सख्त कार्रवाई, दूसरी ओर प्रशासन की मिलीभगत से क्वार्ट्ज और फैल्डस्पार का हो रहा अवैध खनन

स्मार्ट हलचल|सरवाड़/अजमेर

राज्य सरकार एक तरफ पूरे प्रदेश में अवैध खनन के खिलाफ सख्त अभियान चलाकर लगातार कार्रवाई कर रही है, वहीं दूसरी ओर अजमेर जिले के सरवाड़ क्षेत्र में खनन माफिया बेखौफ होकर सरकारी जमीन का सीना चीर रहे हैं। सरवाड़ क्षेत्र के थाना बड़ौदा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत क़ासिर के गांव बंथली में इन दिनों अवैध माइनिंग का खेल जोरों पर चल रहा है।

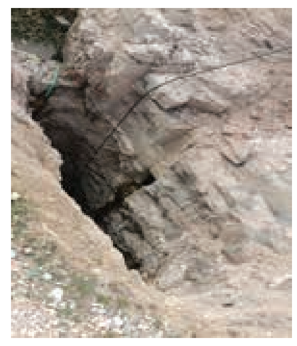

क्रेन और भारी मशीनों से हो रहा खनन

जानकारी के अनुसार, बंथली गांव की सरकारी भूमि के खसरा संख्या 635 पर खनन माफियाओं ने पूरी तरह से कब्जा जमा लिया है। यहां दिनदहाड़े क्रेन और भारी मशीनों का उपयोग करके बड़े पैमाने पर 'क्वार्ट्ज' और 'फैल्डस्पार' खनिज का अवैध खनन किया जा रहा है। सरकार के सख्त निर्देशों के बावजूद यहां माफियाओं को न तो पुलिस का खौफ है और न ही खनन विभाग का कोई डर।

प्रशासन की भूमिका पर उठ रहे सवाल:

खुलेआम चल रहे इस अवैध खनन को लेकर अब स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों और जानकारों का आरोप है कि खनन माफियाओं की स्थानीय प्रशासन और संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ गहरी मिलीभगत है। इसी साठगांठ के चलते बंथली के खसरा नंबर 635 पर अवैध माइनिंग का यह कारोबार बिना किसी रोक-टोक के फल-फूल रहा है। लगातार हो रहे इस अवैध खनन से न केवल राज्य सरकार को राजस्व का भारी नुकसान हो रहा है, बल्कि सरकारी जमीन को भी बुरी तरह खोखला किया जा रहा है। क्षेत्र के लोगों ने उच्चाधिकारियों से इस मामले में तुरंत संज्ञान लेकर माफियाओं और लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

गुरलां की कालिका माता पहाड़ी पर भीषण आग

40 हेक्टेयर वन संपदा खाक, दमकल रही बेबस, तेज बारिश ने बुझाई आग

स्मार्ट हलचल

गुरलां। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के गुरलां क्षेत्र में स्थित अरावली पर्वतमाला की कालिका माता पहाड़ी पर मंगलवार देर रात भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। तेज हवाओं और पहाड़ी पर मौजूद सूखी घास व झाड़ियों के कारण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। इस अग्निकांड में लगभग 30 से 40 हेक्टेयर वन क्षेत्र जलकर राख हो गया है।

रास्ता न होने से बेबस दिखा प्रशासन:

आग की लपटें उठती देख ग्रामीणों ने तुरंत प्रशासन को सूचना दी। जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम, पुलिस और दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। हालांकि, पहाड़ी इलाका होने और ऊपर तक जाने के लिए कोई सुगम रास्ता न होने के कारण फायर ब्रिगेड की गाड़ियां आग के मुख्य केंद्र तक नहीं पहुंच सकीं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने जेसीबी की मदद से रास्ता बनाने का प्रयास भी किया, लेकिन तब तक आग पहाड़ी के दुर्गम हिस्सों तक तेजी से फैल चुकी थी। वन विभाग और पुलिस सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद रहकर स्थिति पर नजर बनाए हुए थे।

अचानक बदले मौसम और बारिश ने दी राहत:

घंटों की मशक्कत के बाद भी जब मानवीय संसाधन और दमकल की गाड़ियां आग पर काबू पाने में विफल साबित हो रही थीं और वन संपदा सहित वन्यजीवों पर भारी खतरा मंडरा रहा था, तभी मौसम ने अचानक करवट ली। रात के समय तेज बारिश शुरू हो गई, जिसने धधकती पहाड़ी को शांत कर दिया और आग पूरी तरह से बुझ गई।

जीव-जंतुओं को भारी नुकसान:

आग लगने के स्पष्ट कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। वन विभाग इसकी जांच कर रहा है। गनीमत यह रही कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है, लेकिन आग की चपेट में आने से वन संपदा के साथ-साथ पहाड़ी पर रहने वाले जीव-जंतुओं को भारी क्षति पहुंची है।

जहाजपुर में स्थायी अपर जिला न्यायालय की स्थापना, विधायक गोपीचंद मीणा के प्रयास रंग लाए

स्मार्ट हलचल

जहाजपुर। राजस्थान सरकार के विधि एवं विधिक कार्य विभाग ने जहाजपुर में स्थायी अपर जिला एवं सत्र न्यायालय (एडीजे) की स्थापना के आदेश जारी कर दिए हैं। 29 अप्रैल 2026 को जारी अधिसूचना के अनुसार, यह न्यायालय भीलवाड़ा के जिला एवं सेशन न्यायाधीश के अधीन कार्य करेगा तथा इसकी बैठक का स्थान जहाजपुर निर्धारित किया गया है।

इस निर्णय से क्षेत्र के वादकारियों और अधिवक्ताओं को बड़ी राहत मिलेगी, क्योंकि अब उन्हें न्यायिक कार्यों के लिए अन्य स्थानों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। सरकार का यह कदम लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण और न्यायिक प्रक्रिया को सुगम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

गौरतलब है कि जहाजपुर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक सिंह चौहान के नेतृत्व में बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने स्थानीय विधायक एवं भाजपा एसटी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष गोपीचंद मीणा के सानिध्य में 4 फरवरी को विधानसभा भवन में राजस्थान के कानून एवं विधि मंत्री जोगाराम पटेल से मुलाकात की थी। प्रतिनिधिमंडल ने जहाजपुर में स्थायी एडीजे न्यायालय खोले जाने की मांग रखते हुए बताया था कि वर्तमान में संचालित एडीजे कैम्प कोर्ट से न्यायिक कार्यों में असुविधा हो रही है, जिससे अधिवक्ताओं के साथ-साथ आम जनता को भी परेशानी उठानी पड़ रही है।

अब सरकार द्वारा जारी इस आदेश को विधायक गोपीचंद मीणा के प्रयास से बार एसोसिएशन की लंबे समय से चली आ रही मांग की पूर्ति के रूप में देखा जा रहा है। इससे न्यायिक व्यवस्था मजबूत होगी और क्षेत्र में न्याय तक पहुंच और अधिक सुलभ बनेगी।

पोटलां में यातायात सुधार के लिए पुलिस-पब्लिक संवाद अतिक्रमण और बेतरतीब पार्किंग पर होगी सख्त कार्रवाई

बुलेट से पटाखे फोड़ने वालों को चेतावनी; दुकानदारों और रिक्शा चालकों को दिए सख्त निर्देश

स्मार्ट हलचल| पोटलां

कस्बे में बिगड़ती यातायात व्यवस्था को सुधारने और आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से बुधवार रात्रि बस स्टैंड स्थित सार्वजनिक सराय पर पुलिस-पब्लिक संवाद का आयोजन किया गया। पोटलां पुलिस चौकी प्रभारी एसएचओ अर्जुन लाल गुर्जर के नेतृत्व में आयोजित इस बैठक में व्यापारी बंधुओं, सब्जी विक्रेताओं, रिक्शा चालकों, ठेला व्यवसायियों और आम नागरिकों ने हिस्सा लिया। वार्ता का मुख्य उद्देश्य कस्बे को जाम से मुक्ति दिलाना, सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाना और यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित करना था।

सड़क पर सामान रखा तो होगी कार्रवाई:

बैठक के दौरान एसएचओ अर्जुन लाल गुर्जर ने कस्बेवासियों और वाहन चालकों की समस्याएं सुनीं और समाधान का आश्वासन दिया। प्रशासन ने दुकानदारों और व्यापारियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि वे अपने व्यावसायिक सामान को सड़क पर न फैलाएं। दुकानों के बाहर सामान रखने से मार्ग अवरुद्ध होता है और जाम की स्थिति बनती है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि प्रमुख स्थानों पर अवैध रूप से खड़े वाहनों (नो-पार्किंग) और अतिक्रमण के खिलाफ अब कानूनी कार्रवाई की जाएगी, जिसके लिए प्रशासन बाध्य होगा।

पुलिस ने ऑटो और रिक्शा चालकों को निर्देशित किया कि वे अपने वाहनों को बस स्टैंड के आसपास बेतरतीब ढंग से न लगाएं। इसके बजाय एक निर्धारित स्टैंड तय कर नंबर वाइज (कतारबद्ध) वाहन लगाएं, ताकि मुख्य मार्ग पर यातायात बाधित न हो। आमजन से भी अपील की गई कि वे अपने वाहन सही ढंग से पार्क करें। किसी भी वाद-विवाद की स्थिति में सीधे पुलिस से संपर्क करने की सलाह दी गई। साथ ही, बुलेट मोटरसाइकिल से पटाखे फोड़ने वाले हुड़दंगी युवकों को भी सख्त चेतावनी दी गई कि ऐसे कृत्य पर अब कठोर कार्रवाई की जाएगी।

ग्रामीणों ने उठाई मुख्य मार्गों की समस्या:

वार्ता के दौरान ग्रामीणों ने प्रशासन को अवगत कराया कि गायत्री माता मंदिर से लेकर मंशापूर्ण बालाजी मंदिर, राजस्थान ग्रामीण बैंक, बस स्टैंड ग्राम सहकारी समिति और आईसीआईसीआई बैंक तक लोग अपने वाहन बेतरतीब ढंग से खड़े करते हैं। व्यापारियों और सब्जी विक्रेताओं द्वारा भी सड़क तक दुकानें लगा ली जाती हैं, जिससे आवागमन में भारी दुविधा होती है।

इस पर प्रशासन ने आश्वस्त किया कि सभी के आपसी सहयोग से इस समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाएगा। व्यापारियों को हिदायत दी गई कि वे स्वयं एक अच्छा उदाहरण प्रस्तुत करें। इस दौरान बड़ी संख्या में व्यापारी वर्ग, सब्जी विक्रेता, रिक्शा चालक और ग्रामीण मौजूद रहे।

शादी समारोह के दौरान दूषित भोजन खाने से 40 लोग बीमार

स्मार्ट हलचल| बूंदी

जिले के नैनवा क्षेत्र के कचरावता गांव में चल रहे शादी समारोह में दूषित भोजन खाने से दुल्हन सहित लगभग 40 लोगों की तबीयत अचानक बिगड़ गई. घटना में 22 महिलाएं प्रभावित हुई हैं, जिनमें दुल्हन मुस्कान भी शामिल हैं।

कचरावता गांव निवासी राजेश बैरवा की बेटी मुस्कान का विवाह समारोह धूमधाम से चल रहा था। हाड़ौती क्षेत्र से आई बारात और पूरे गांव में उत्सव का माहौल था. मेहमानों के लिए विशेष भोजन की व्यवस्था की गई थी, लेकिन यही भोजन कुछ ही घंटों बाद परेशानी का सबब बन गया. बीती रात भोजन करने के कुछ समय बाद मेहमानों को उल्टी, दस्त और तेज पेट दर्द की शिकायत शुरू हो गई. शुरुआत में इसे सामान्य समस्या समझा गया, लेकिन जब एक के बाद एक कई लोग बीमार पड़ने लगे तो परिजनों और आयोजकों में हड़कंप मच गया। सभी का इलाज जारी: हालात बिगड़ते देख सभी बीमारों को तुरंत नैनवा अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है. नैनवा चिकित्सा प्रभारी डॉ. डीके प्रजापत ने बताया कि सभी मरीजों को प्राथमिक उपचार दिया जा रहा है और उनकी स्थिति पर नजर रखी जा रही है. प्रारंभिक जांच में इसे फूड पॉइजनिंग का मामला बताया गया है. सटीक कारण जांच रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल सकेगा।

राजस्थान तैराकी संघ की वार्षिक बैठक 3 मई को शाहपुरा में

प्रतियोगिताओं की तारीखें तय होंगी, नए जिलों में संघ गठन पर भी चर्चा

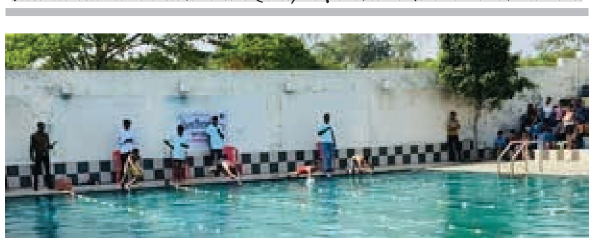

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। राजस्थान तैराकी संघ की साधारण सभा की वार्षिक बैठक 3 मई को शाहपुरा के तरणताल पर आयोजित की जाएगी। बैठक सुबह 11 बजे संघ अध्यक्ष अनिल व्यास की अध्यक्षता में संपन्न होगी।

इस महत्वपूर्ण बैठक में प्रदेशभर की सभी जिला इकाइयों से दो-दो प्रतिनिधि भाग लेंगे। बैठक के दौरान वर्ष 2025-26 के अपेक्षित लेखों को पारित किया जाएगा। साथ ही वर्ष 2026 में आयोजित होने वाली विभिन्न तैराकी प्रतियोगिताओं के स्थान एवं तिथियों का निर्धारण भी किया जाएगा।

इसके अलावा हाल ही में बने नए जिलों में तैराकी संघ के गठन को लेकर भी विचार-विमर्श किया जाएगा, जिससे प्रदेश में तैराकी खेल को और अधिक मजबूती मिल सके। राजस्थान तैराकी संघ के अध्यक्ष अनिल व्यास ने सभी संबंधित प्रतिनिधियों से बैठक में समय पर उपस्थित होकर सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया है।

मेवाड़ यूनिवर्सिटी फर्जी डिग्री मामला उजागर: जांच एजेंसियों को मिले अहम दस्तावेज, उच्च शिक्षा व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

स्मार्ट हलचल | चित्तौड़गढ़/उदयपुर

राजस्थान के मेवाड़ क्षेत्र से एक बड़ा शिक्षा घोटाला सामने आया है, जिसमें मेवाड़ यूनिवर्सिटी से फर्जी डिग्रियां जारी किए जाने का मामला उजागर हुआ है। प्रारंभिक जांच में कई संदिग्ध दस्तावेज मिलने के बाद जांच एजेंसियां सक्रिय हो गई हैं और मामले की गहराई से पड़ताल की जा रही है।

सूत्रों के अनुसार, जांच एजेंसियों को ऐसे दस्तावेज प्राप्त हुए हैं, जिनसे यह संकेत मिलता है कि बिना नियमित अध्ययन और प्रक्रिया के कुछ छात्रों को डिग्रियां जारी की गईं। इन डिग्रियों की वैधता पर सवाल उठने के बाद संबंधित विभागों ने मामले को गंभीरता से लिया है।

बताया जा रहा है कि कई छात्रों और बाहरी अभ्यर्थियों के नाम पर संदिग्ध तरीके से प्रमाणपत्र जारी किए गए। कुछ मामलों में परीक्षा प्रक्रिया और उपस्थिति रिकॉर्ड में भी गड़बड़ियों की आशंका जताई जा रही है। जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि इस पूरे नेटवर्क में कौन-कौन लोग शामिल हैं और यह गतिविधि कब से चल रही थी।

इस मामले के सामने आने के बाद उच्च शिक्षा प्रणाली की पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इस तरह के मामलों पर सख्ती नहीं की गई तो इससे योग्य छात्रों का भविष्य प्रभावित हो सकता है और शिक्षा व्यवस्था की साख को नुकसान पहुंचेगा।

प्रशासनिक अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं विश्वविद्यालय प्रबंधन की भूमिका भी जांच के दायरे में है और उनसे संबंधित दस्तावेज व रिकॉर्ड मांगे गए हैं।

छात्र संगठनों और अभिभावकों ने भी इस मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनका कहना है कि दोषियों को सजा मिलनी चाहिए ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं पर रोक लग सके।

फिलहाल जांच जारी है और आने वाले दिनों में इस मामले में और बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

विद्यालय में वाटर कूलर का शुभारंभ

स्मार्ट हलचल

रायपुर। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय भटेवर में भामाशाह रमेश वैष्णव ने अपने पिता स्वर्गीय नाथू दास जी की स्मृति में विद्यार्थियों को शीतल पेयजल उपलब्ध कराने हेतु वाटर कूलर भेट किया. संस्था प्रधान रामपाल तातेला ने भामाशाह का हृदय से आभार एवं धन्यवाद प्रकट किया. इस अवसर पर दीपक वैष्णव, अनीता वैष्णव सहित विद्यालय स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

अर्जित अवकाश के नगद भुगतान बंद करने के फैसले के विरोध में कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

कर्मचारी महासंघ एकीकृत भीलवाड़ा ने सरकार के निर्णय को बताया कर्मचारी विरोधी, निर्णय वापस लेने की उठाई मांग

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा में कर्मचारी महासंघ एकीकृत द्वारा राज्य सरकार के अर्जित अवकाश (म्तदमक स्मंअम) के नगद भुगतान को बंद करने के फैसले के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन में विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने भाग लेते हुए सरकार के इस निर्णय के खिलाफ अपनी नाराजगी जाहिर की। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ एकीकृत प्रदेश अध्यक्ष गजेंद्र सिंह के आह्वान पर भीलवाड़ा जिला अध्यक्ष लक्की ब्यावट के नेतृत्व में भीलवाड़ा के कर्मचारियों ने जिला कलेक्टर कार्यालय परिसर में प्रदर्शन कर एडीएम सिटी अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट प्रतिभा देवटिया को ज्ञापन सौंपा। महासंघ के प्रतिनिधियों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द ही इस निर्णय को वापस नहीं लिया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से राज्य सरकार से इस आदेश को निरस्त करने की मांग की। ज्ञापन में बताया कि हाल ही में राज्य सरकार के आदेश के तहत कर्मचारियों के अर्जित अवकाश के नगद भुगतान बंद करने का राज्य सरकार विचार कर रही है इसके विरोध में समस्त कर्मचारियों ने अपनी मांग को पुरजोर प्रदर्शित करते हुए भारी विरोध किया और सरकार के इस फैसले को कर्मचारियों के पक्ष में नहीं बताया अगर राज्य सरकार इस तरह का निर्णय ले रही है तो इसके कारण कर्मचारियों को काफी नुकसान उठाना पड़ सकता है। राजस्थान राज्य के समस्त कर्मचारी पूरी मेहनत के साथ आम जनता के लिए कार्य करते हैं लेकिन सरकार के इस फैसले से वह नाराज है। अगर सरकार इस फैसले को वापस नहीं लेती है तो राज्य भर में इसका कड़ा से कड़ा विरोध किया जाएगा दूसरी मांग महात्मा गांधी चिकित्सालय भीलवाड़ा में लगे प्लेसमेंट कंप्यूटर ऑपरेटर को सीएसआर संविदा नियमों में लेकर सूची जारी की जाए ज्ञापन में तीसरी मांग के अंतर्गत विजय राज सिंधिया मेडिकल कॉलेज भीलवाड़ा के कर्मचारियों के विलोपित किये गए पद की पुनः बहाली या नये पद श्रृंजन की मांग के साथ ही विगत दो महीने से वेतन नहीं दिया गया है जिसके अभाव में उनका काफी परेशानी उठानी पड़ रही है अतः तुरंत वेतन दिलाने की मांग के साथ ही मांग की गई कि जनरल नर्सिंग ट्रेनिंग सेंटर भीलवाड़ा के विद्यार्थियों का स्टाइफंड बढाकर दिलाया जाए ताकि विद्यार्थियों को ऐसे महंगाई के दौर मे अपना गुजारा चलाने मे तकलीफ ना झेलनी पड़े। ज्ञापन देने के अंतर्गत काशीराम नायक, ललित जीनगर, विनोद सोनी, दिनेश तिवारी, पवन देपन, करण सिंह, पवन सेन, सोनू जीनगर, नूर मोहम्मद खान सहित कई कर्मचारी उपस्थित थे।

श्यामगढ़ विद्यालय से अध्यापिका चावली देवी को दी विदाई

विदाई पर पेश की मिसाल: स्कूल को भेंट किया म्यूजिक सिस्टम और वाटर कूलर

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। श्यामगढ़ पंचायत के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में गुरुवार को एक सादे और गरिमामय समारोह में अध्यापिका चावली देवी को उनकी सेवानिवृत्ति पर भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर विद्यालय परिवार, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने उनके गौरवमयी सेवाकाल को याद करते हुए उन्हें भावपूर्ण सम्मान दिया।

भामाशाह बनकर पेश की अनूठी मिसाल:

अपने विदाई समारोह में अध्यापिका चावली देवी ने शिक्षा के मंदिर के प्रति अपनी कृतज्ञता जताते हुए भामाशाह के रूप में एक अनूठी मिसाल पेश की। उन्होंने विद्यालय स्टाफ के सहयोग से स्कूल को एक म्यूजिक सिस्टम भेंट किया। इसके साथ ही, उनकी पुत्री ऋतु चौधरी (पत्नी संदीप जी, निवासी पिलानी, झुंझुनूं) की ओर से विद्यार्थियों की सुविधा के लिए विद्यालय को एक वाटर कूलर भी भेंट किया गया।

शॉल ओढ़ाकर और साफा पहनाकर किया सम्मान:

विदाई समारोह में मौजूद स्थानीय जनप्रतिनिधियों, एसएमसी सदस्यों, अभिभावकों, विद्यार्थियों और शिक्षकों ने सेवानिवृत्त हो रहीं चावली देवी के स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना की। मंचासीन अतिथियों और शिक्षकों ने उनका माल्यार्पण कर, शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिह्न (उपहार) भेंट कर सम्मानपूर्वक विदाई दी।

ये रहे मौजूद:

समारोह के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. पवन कुमार शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया, जबकि कार्यक्रम का कुशल संचालन दिलीप त्रिपाठी ने किया। इस गरिमामय अवसर पर शारीरिक शिक्षक लादू लाल तेली, हिंदी व्याख्याता भगवान सहाय, नरेश मीणा, दीपेश कटारिया, शंकर लाल सालवी, रामराज मीणा, छुट्टनलाल मीणा, नंदलाल बलाई, हेमराज यादव, शंभू नाथ, नंदकिशोर जोशी, राजेश मेघवाल, देवीलाल धाकड़ और अक्षय व्यास सहित समस्त शिक्षकगण, ग्रामीण व बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

आंधी-बारिश की आड़ में वारदात: सारांश में एक ही खंभे से दो ट्रांसफार्मर चोरी, 15 घंटे बिजली ठप...

कॉपर-ऑयल पर चोरों की नजर: ट्रांसफार्मर उखाड़ ले गए, खाली डिब्बे छोड़ फरार...

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। क्षेत्र के निकटवर्ती गांव सारांश में सूरजपुरा रोड स्थित एक खेत में लगे दो 25-25 केवीए के ट्रांसफार्मर बुधवार देर रात अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर लिए जाने की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। तेज आंधी और बारिश के बीच अंजाम दी गई इस घटना में चोरों ने ट्रांसफार्मरों को निशाना बनाते हुए उनके भीतर से कीमती कॉपर और ऑयल निकाल लिया और खाली डिब्बे मौके पर ही फेंककर फरार हो गए।

ग्रामीण भागवत सिंह के अनुसार बुधवार रात करीब 1 बजे मौसम खराब होने के दौरान अचानक बिजली सप्लाई बंद हो गई। शुरुआत में इसे सामान्य फॉल्ट समझा गया, लेकिन देर रात तक बिजली बहाल नहीं होने से शक गहराया। गुरुवार सुबह जब ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो दोनों ट्रांसफार्मर गायब मिले और खेत में उनके टूटे हुए हिस्से पड़े थे, जिससे पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

घटना की सूचना मिलते ही विद्युत विभाग सक्रिय हुआ और लाइनमैन बलवंत मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया तथा मौका रिपोर्ट तैयार की। इसके बाद जेईएन मुन्ना लाल के निर्देशन में विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए टीम को मौके पर लगाया। इस घटना के कारण बुधवार रात 1 बजे से गुरुवार शाम करीब 4 बजे तक क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति पूरी तरह बाधित रही, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी। किसानों के कृषि कार्य प्रभावित हुए और घरेलू उपभोक्ताओं को भी दिनभर गर्मी में बिजली के बिना कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

हालांकि विभाग ने इस गंभीर स्थिति में तेजी और जिम्मेदारी का परिचय देते हुए सीमित समय में नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया और लाइनमैन बलवंत व ठेकेदार के कर्मचारियों के सहयोग से उसे स्थापित कर गुरुवार शाम तक बिजली सप्लाई बहाल कर दी। विभाग की इस त्वरित कार्रवाई से जहां आमजन को राहत मिली, वहीं ग्रामीणों ने भी समय पर व्यवस्था संभालने के लिए सराहना की।

विभाग के जेईएन मुन्ना लाल ने बताया कि ट्रांसफार्मर चोरी के मामले को गंभीरता से लेते हुए अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज करवा दिया गया है और पुलिस के साथ समन्वय कर जांच आगे बढ़ाई जा रही है। वहीं लगातार बढ़ती ऐसी वारदातों ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल जरूर खड़े कर दिए हैं, जिससे ग्रामीणों में चिंता का माहौल बना हुआ है।

तिलौली के होनहारों को मिली सपनों की उड़ान

युवा भामाशाह की पहल पर होनहारों का दिल्ली का हवाई सफर

स्मार्ट हलचल

आसीन्द भीलवाड़ा। शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिभाओं को बढ़ावा देने का एक अनोखा उदाहरण आसींद क्षेत्र के तिलौली गांव में देखने को मिलता है। यहां राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के मेधावी छात्र-छात्राएँ अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए हवाई यात्रा के माध्यम से दिल्ली यात्रा का अवसर प्राप्त कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, गणतंत्र दिवस 2026 के अवसर पर तिलौली के युवा भामाशाह दशरथ सिंह राठौड़ ने विद्यालय के कक्षा 10 और 12 के छात्रों के लिए हवाई यात्रा की घोषणा की थी, जो परीक्षा परिणामों में श्रेष्ठ अंक प्राप्त करेंगे। आने वाले नतीजों का निरीक्षण करने के बाद, स्थानीय विद्यालय के उत्कृष्ट छात्र-छात्राओं को जयपुर से दिल्ली हवाई यात्रा के माध्यम से ऐतिहासिक स्थलों के भ्रमण के लिए निकल पड़े

हवाई यात्रा करने वाले भाग्यशाली छात्र

इस विशेष शैक्षणिक यात्रा के लिए कुल 6 छात्रों और 3 विद्यालय स्टाप को लेजाया गया साथ में , जो हवाई जहाज से दिल्ली के ऐतिहासिक स्थलों का दीदार करेंगे। उत्कृष्ट अंक हासिल करने वाले छात्र इस प्रकार हैं: कक्षा 12: खूबराज खटीक, रणवीर सोलंकी और सोनू कंवर चूंडावत।

कक्षा 10: नीरू गुर्जर, बसंती रावत और दीपिका रेगर।

युवा भामाशाह दशरथ सिंह राठौड़ के अनुसार, इसका पहला मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं का लाभ उठाना और उन्हें देश की राजधानी के अनुसार ऐतिहासिक धरोहरों से जोड़ना है। छात्र दिल्ली में विभिन्न ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण स्थानों की यात्रा कर अपना ज्ञान बढ़ाएंगे।

'ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, बस उन्हें उचित प्रोत्साहन की आवश्यकता है। यह बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने और उन्हें बेहतर करने के लिए प्रेरित करता है।'

दशरथ सिंह राठौड़ तिलौली, युवा भामाशाह

जैन मंदिर में हुई चोरी का खुलासा नहीं होने पर चिंता व्यक्त कर सरकार को घेरा

स्मार्ट हलचल

चित्तौड़गढ़। पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्रसिंह जाड़ावत ने शहर में बढ़ती चोरी की घटनाओं एवं दुर्ग स्थित जैन मंदिर में 13 दिन बाद भी चोरी का खुलासा नहीं होने पर चिंता व्यक्त कर सरकार को घेरते हुए कहा कि पूर्व में भी दुर्ग के मंदिरो में चोरियां हुई है उसके बाद इस घटना ने प्रशासन की निष्क्रियता को उजागर किया है, जिससे नागरिकों का भरोसा कम हो रहा है। सरकार को जल्द से जल्द सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सख्त कदम उठाने की जरूरत है शहर के हर क्षेत्र में, विशेषकर रात के समय, पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है बढ़ती चोरियों से चोरों की पो बारह हो रही है आमजन की नींद उड़ी हुई है।

प्रवक्ता नवरतन जीनगर ने बताया कि पूर्व राज्यमंत्री ने अपने बयान में कहा कि शहर में बढ़ती चोरी और आपराधिक घटनाओं ने क्षेत्र वासियों में भय और असुरक्षा का माहौल पैदा कर दिया है, जिसके चलते पुलिस प्रशासन और सरकार की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। राज्य में सरकार बदलने के बाद से ही चोरी की वारदातें बढ़ी हैं जिले में अनेक स्थानों पर चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन पुलिस अधिकांश घटना से पर्दा उठाने में नाकाम ही रही है पिछले वर्षों से चित्तौड़गढ़ शहर के विभिन्न इलाकों से दिनदहाड़े चोरी, चेन स्नेचिंग और सूने मकानों एवं दुकानों में सेंधमारी एवं दुपहिया वाहन एवं चौपहिया वाहन चोरी की लगातार खबरें सामने आ रही हैं पुलिस मादक पदार्थों को भी पकड़ने का काम करे लेकिन आमजन की जान माल की सुरक्षा करना भी जरूरी है।

हिंदुस्तान जिंक रामपुरा आगूचा खदान में टीबी जागरूकता सत्रों का सफल आयोजन

रोकथाम के उपायों पर दिया विशेष जोर, 'टीबी मुक्त भारत' के लक्ष्य की दिशा में सकारात्मक योगदान देने का लिया संकल्प

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। भारतीय खान ब्यूरो (आईबीएम), अजमेर क्षेत्र के तत्वावधान में हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड की रामपुरा आगूचा खदान द्वारा टीबी (क्षय रोग) के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु विभिन्न स्थानों पर विशेष जागरूकता सत्रों का सफल आयोजन किया गया। इन सत्रों का उद्देश्य समुदाय, विद्यार्थियों एवं खदान के कर्मचारियों के बीच टीबी के लक्षण, रोकथाम एवं उपचार के बारे में सही जानकारी का प्रसार करना था। कार्यक्रम के दौरान भारतीय खान ब्यूरो, अजमेर क्षेत्र के क्षेत्रीय खनन भूवैज्ञानिक दिलीप जैन, सहायक खनन अभियंता पुष्कर कुलकर्णी, जिंक विद्यालय के प्राचार्य आशीष विजयवर्गीय, भूविज्ञान एवं खनिज अन्वेषण प्रमुख आशुतोष पाठक, जिंक अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. दीपक गौतम सहित अन्य अधिकारी एवं स्टाफ उपस्थित रहे। इन जागरूकता सत्रों में प्रतिभागियों को टीबी के प्रमुख लक्षणों- जैसे लगातार खांसी, बुखार, वजन में कमी एवं रात में पसीना आना- के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही यह बताया गया कि टीबी एक संक्रामक लेकिन पूरी तरह से इलाज योग्य बीमारी है, जिसका समय पर जांच एवं नियमित उपचार अत्यंत आवश्यक है। सत्रों में टीबी की रोकथाम के उपायों पर भी विशेष जोर दिया गया, जिनमें स्वच्छता बनाए रखना, खांसते या छींकते समय मुंह ढकना, भीड़-भाड़ वाले स्थानों में सावधानी बरतना, पोषणयुक्त आहार लेना एवं रोग के लक्षण दिखने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच करवाना शामिल है। इसके अतिरिक्त, सरकार द्वारा संचालित निःशुल्क टीबी जांच एवं उपचार सुविधाओं की जानकारी भी साझा की गई। यह अभियान प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के उद्देश्यों के अनुरूप संचालित किया गया। इन प्रयासों के माध्यम से विभिन्न वर्गों में टीबी के प्रति जागरूकता बढ़ाने और 'टीबी मुक्त भारत' के लक्ष्य की दिशा में सकारात्मक योगदान देने का संकल्प व्यक्त किया गया।

आठ साल से फरार पिस्टल सप्लायर गिरफ्तार

चित्तौड़गढ़। जिले की निम्बाहेड़ा कोतवाली थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास एवं आर्म्स एक्ट के प्रकरण में पिछले 08 वर्षों से फरार चल रहे पिस्टल सप्लायर को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने बताया कि वांछित/स्थाई वारंटी एवं फरार अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे अभियान के अनुक्रम में एएसपी सरिता सिंह के निर्देशन व डीएसपी बद्री लाल राव के नेतृत्व में थानाधिकारी रामसुमेर द्वारा एएसआई सूरज कुमार, कांस्टेबल देवेन्द्र, विरेन्द्र, सुमित की एक विशेष टीम गठन किया गया। इस टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि नितिन पंडित आर्म्स एक्ट व हत्या के प्रयास के मामले मे फरार चल रहा है। वह उदयपुर रहता है और आज अपने घर नया बाजार आयेगा। इस पर एएसआई सूरज कुमार जाप्ते के साथ बस स्टैंड पहुचे और नितिन पंडित को गिरफ्तार कर लिया है।

चित्तौड़गढ़ में महिला कांग्रेस का पोस्टकार्ड अभियान: यशोदा पुरोहित के नेतृत्व में उठी महिला आरक्षण बिल लागू करने की मांग

'आधी आबादी का हक अधूरा क्यों?', पीएम मोदी को भेजे पोस्टकार्ड; ओबीसी महिलाओं के लिए भी मांगे पूरे अधिकार

स्मार्ट हलचल|चित्तौड़गढ़

नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 (महिला आरक्षण बिल) को शीघ्र लागू करवाने की मांग को लेकर चित्तौड़गढ़ महिला कांग्रेस ने हुंकार भरी है। जिला अध्यक्ष यशोदा नरेन्द्र पुरोहित के नेतृत्व में मंगलवार को महिलाओं ने एक विशेष पोस्टकार्ड अभियान चलाया। इस अभियान के माध्यम से महिलाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पोस्टकार्ड लिखकर अपनी आवाज उन तक पहुंचाई और बिल को तुरंत प्रभाव से लागू करने की मांग की।

राष्ट्रीय और प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर हुआ आयोजन:

यह कार्यक्रम अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लाम्बा एवं राजस्थान प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष सारिका सिंह के निर्देशानुसार आयोजित किया गया। अभियान के दौरान 'आधी आबादी का हक अधूरा क्यों?' और 'हर वर्ग की महिला की भागीदारी, यही है सच्ची बराबरी' जैसे नारे जमकर गूंजे। कांग्रेस नेत्रियों ने ओबीसी वर्ग की महिलाओं को भी आरक्षण में पूरा अधिकार देने की पुरजोर मांग उठाई।

जब तक मांग पूरी नहीं, तब तक जारी रहेगा आंदोलन:

महिला जिलाध्यक्ष यशोदा नरेन्द्र पुरोहित ने स्पष्ट किया कि महिला आरक्षण बिल को जल्द लागू करना महिलाओं के अधिकार और सम्मान की दिशा में एक बहुत ही महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक यह मांग नहीं मान ली जाती, तब तक महिला कांग्रेस का यह आंदोलन लगातार जारी रहेगा। सभी महिलाओं ने 'आधी आबादी, पूरा हक' के संकल्प को दोहराते हुए महिला सशक्तिकरण के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता व्यक्त की।

कार्यक्रम में इनकी रही मौजूदगी:

इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष संगीता छिपा, जिला महासचिव सुशीला रेगर, आशा दमानी, सचिव दुर्गा जटिया, सदस्य ज्योति सोनी, नानी बाई रेगर, स्नेहा जैन, शबाना बानू, शाहिदा, प्रज्ञा, सीमा, अनुश्री सारस्वत, अन्तिम बाला तम्बोली, आरती और सिमरन मेघवाल सहित बड़ी संख्या में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

भाजपा सरकार के सवा दो वर्षो के कार्यकाल में विकास, सुशासन और जनकल्याण पर रहा विशेष जोर: विधायक आक्या

स्मार्ट हलचल

चित्तौड़गढ़। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने अपने सवा दो वर्ष के कार्यकाल में विकास, सुशासन और जनकल्याण को प्राथमिकता देते हुए अनेक प्रभावी निर्णय लिये है। प्रशासन को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने पर जोर देते हुए भ्रष्टाचार पर नियंत्रण, समयबद्ध निर्णय और योजनाओ की निगरानी को मजबूत किया गया है। सड़क, बिजली, पानी और शहरी-ग्रामीण बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बड़े पैमाने पर विकास कार्यो के लिए बजट आवंटन कर परियोजनाएं आरम्भ की गई। सरकार द्वारा किसानो, पशुपालको और ग्रामीण क्षैत्रो के विकास हेतु अनेक प्रभावी निर्णय लिए जा रहे है। विधानसभा क्षेत्र चित्तौड़गढ़ के हर गांव में विकास कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराए जा रहे है। विधायक चंद्रभान सिंह आक्या गुरूवार को प्रदेश मे सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग द्वारा चलाये जा रहे कृषक, पशुपालको एवं ग्रामीण क्षैत्रो से संबंधित योजनाओ के एलईडी वेन के माध्यम से प्रचार प्रसार हेतु ग्राम रथ के आगमन पर ग्राम धीरजी का खेड़ा व गांगा गुढ़ा में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा पदाधिकारियो, कार्यकर्ताओ व ग्रामीणो को सम्बोधित कर रहे थे।

विकास अधिकारी अभिषेक शर्मा ने बताया की ग्राम रथ के माध्यम से कृषि, उद्यानिकी, कृषि विपणन, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य, सहकारिता, सिंचाई, उद्योग, उर्जा, राजस्व, पंचायतीराज और ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं की मोबाईल एलईडी वेन के माध्यम से तथा साहित्य व प्रचार प्रसार सामग्री उपलब्ध करा जानकारी दी जा रही है। गुरूवार को विकास रथ के ग्राम धीरजी का खेड़ा व गांगा गुढ़ा में आगमन पर बड़ी संख्या में ग्रामीणो ने राजस्थान सरकार द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान विधायक आक्या द्वारा जनसुनवाई कर ग्रामीणो की समस्याओ का मौके पर ही निराकरण किया।

इस अवसर पर विकास अधिकारी अभिषेक शर्मा, तहसीलदार शिवसिंह, भदेसर ग्रामीण मण्डल अध्यक्ष हीरालाल रायका, पूर्व सरपंच बगदीराम रायका, जीएसएस अध्यक्ष मंगलसिंह, उप सरपंच मुकेश गिरी, बुथ अध्यक्ष लक्ष्मणसिह, पप्पुसिंह, गणपत जाट सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता व ग्रामीणजन उपस्थित थे।

सूफ़ियाना रंग में रंगी महफ़िल-ए-कव्वाली, जायरीन झूम उठे इश्क़-ए-इलाही में

स्मार्ट हलचल| निंबाहेड़ा

हज़रत रोशन अली बावा साहब के 65 वें सद्भावना उर्स मुबारक के दूसरे दिन की रूहानी फिज़ा उस वक़्त और भी पुरनूर हो उठी, जब बाद नमाज़-ए-इशा आयोजित महफ़िल-ए-कव्वाली में मशहूर कव्वाल हाजी अली मुकर्रम अली वारसी (भोपाल) ने अपने सूफ़ियाना कलाम से समां बाँध दिया। दरगाह परिसर में मौजूद अकीदतमंद जायरीन इश्क़-ए-हक़ीक़ी में सराबोर होकर झूम उठे और पूरा माहौल 'अल्लाह हू' की सदाओं से गूंजायमान हो गया। कव्वाल ने अपने असरदार और दिलनशीं अंदाज़ में 'मन कुन्तो मौला ', 'या मुहम्मद नूर-ए-मुजस्सम ', 'अबू तालिब के घराने के मुसलमान ', 'या हुसैन इब्ने अली आपकी क़दमों की क़सम' तथा ग़रीब नवाज़ की शान में पेश किए गए कलाम से महफ़िल को रूहानियत की बुलंदियों तक पहुंचा दिया। हर कलाम पर जायरीन ने दाद-ओ-तहसीन पेश करते हुए आध्यात्मिक जुड़ाव का इज़हार किया।

यह भव्य आयोजन रोशन अली बावा साहब सेवा संस्थान, सुभाष चौक सब्ज़ी मंडी, निंबाहेड़ा के तत्वावधान में आयोजित चार दिवसीय उर्स में चल रहा हे।कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि हज़रत शहाबुद्दीन बावा एवं उर्स कमेटी सदर हाजी मुन्ना भाई दुर्रानी मौजूद रहे, जबकि अध्यक्षता नायब सदर ज़ाकिर कुरैशी ने की। विशिष्ट अतिथियों के रूप में लियाकत खां मेव (पूर्व अंजुमन सदर, मल्हारगढ़), हाजी साबिर खा मसूदी, (नीमच), हाजी वसीम खान (काज़ी टूर्स, नीमच), सैलानी ग्रुप के मय्यन भाई, कप्तान भाई, वसीम मेव, अलीम मंसूरी,इकबाल मेव, शकील गोरी, हाजी अख्तर पटेल, हाजी भूरू जागीरदार, वारसी बाबा (नाथद्वारा) तथा दाउदी बोहरा समाज के सचिव अम्मार बोहरा, बुरहान बोहरा, मंसूर अली बोहरा सहित कई गणमान्यजन मौजूद रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में मंचासीन अतिथियों का उर्स कमेटी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा पारंपरिक अंदाज़ में माल्यार्पण एवं दस्तारबंदी कर गर्मजोशी से इस्तक़बाल किया गया।

इस मौके पर संस्था के सदर सादिक हुसैन, नायब सदर ज़ाकिर हुसैन, सचिव मतलूब अजमेरी, उर्स संयोजक मो.फारूक छिपा कोषाध्यक्ष अयाज़ खान सहित रफीक मेवाफरोश, साकिब छीपा, अब्दुल हमीद उर्फ भूरू मेव, नाहिद मौलाना, फिरोज गोरी, मोहसिन खान, नदीम खान, तालिब अहमद, तनवीर अली, साहिल, अब्दुल हक,नदीम खान जमील खान उर्फ भाया बैट्री, इमरान खान, सलीम जई,हाजी कल्लू बा, अनीस अहमद शेख, तनवीर मेव, भूरू शेख, यूसुफ मंसूरी,रजा इंदौरी,वसीम हटेली, अनवर पेंटर, आज़ाद गोरी, महबूब,नासिर खान, सलीम पठान,असलम नियारगर सहित बड़ी तादाद में अकीदतमंद और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। उर्स के इस मुबारक मौके पर या अली अखाड़ा कच्ची बस्ती, गरीब नवाज लंगर कमेटी तथा कमर अली दुर्गेश बावा कमेटी की जानिब से जायरीनों के लिए ठंडे शरबत की बेहतरीन व्यवस्था भी की गई, जिससे सेवाभाव और मेहमाननवाज़ी की मिसाल पेश हुई। रूहानियत, मोहब्बत और कौमी एकता का पैग़ाम देती इस महफ़िल-ए-कव्वाली ने उर्स के दूसरे दिन को यादगार बना दिया, जहाँ हर दिल इश्क़-ए-इलाही में डूबा नज़र आया। उर्स के चौथे दिन 1 मई को मशहूर कव्वाल आमिल आरिफ(दिल्ली)अपना कलाम पेश करेंगे।

गली गली में नशा बेचने वाला एक तस्कर गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल

भवानी मंडी। नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत भवानीमंडी थाना पुलिस ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पुलिस ने गली-मोहल्लों में स्मैक बेचने वाले एक शातिर तस्कर को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई एनडीपीएस एक्ट की धारा 30 के तहत की गई है।

जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के निर्देशन में जिले में संगठित अपराध और मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 29 अप्रैल 2026 को भवानीमंडी पुलिस को सूचना मिली कि एक व्यक्ति व्यावसायिक मात्रा में मादक पदार्थ खरीदकर छोटे-छोटे पैकेटों (पुड़िया) में उसे बेचने का काम कर रहा है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भागचन्द मीणा और डीएसपी मनोज सोनी के सुपरविजन में थानाधिकारी प्रमोद कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पचपहाड़ बाईपास रोड से आरोपी को धर दबोचा।

गिरफ्तार आरोपी: इरफान (40 वर्ष), पुत्र श्री अल्ताफ खां, निवासी उज्जैन (मध्य प्रदेश), हाल निवासी मेला मैदान भवानीमंडी।

आरोपी के कब्जे से 0.60 ग्राम स्मैक बरामद की गई है। थाना अधिकारी प्रमोद कुमार ने बताया कि पुलिस अब इस बात की गहनता से जांच कर रही है कि आरोपी स्मैक कहाँ से लाता था और इस तस्करी नेटवर्क में और कौन-कौन से लोग शामिल हैं। इस कार्रवाई में थानाधिकारी प्रमोद कुमार के साथ कांस्टेबल विकास कुमार, महेश कुमार, मदनलाल, हरिराम और चालक दिनेश कुमार की मुख्य भूमिका रही।

16 मई से घर-घर आएंगे प्रगणक, पूछे जाएंगे 34 सवाल अब घर बैठे खुद भी ऑनलाइन दे सकेंगे जानकारी

स्मार्ट हलचल| बूंदी

जनगणना के तहत आगामी 16 मई से 14 जून तक मकान सूचीकरण का कार्य शुरू होने जा रहा है। इसके तहत प्रगणक घर-घर जाकर लोगों से उनके मकान और सुविधाओं से जुड़ी जानकारियां जुटाएंगे। इस बार भारत सरकार ने एक नई पहल करते हुए आमजन को 'सेल्फ एन्यूमरेशन' यानी खुद ऑनलाइन जानकारी भरने की सुविधा भी प्रदान की है।

जिला कलक्टर हरफूल सिंह यादव ने बताया कि यह पूरी प्रक्रिया

भविष्य की नीतियों के निर्माण और उनके क्रियान्वयन में बहुत बड़ा योगदान देगी। उन्होंने बताया कि कई बार प्रगणक को तत्काल जवाब देने में लोगों को असहजता होती है या फिर जानकारी दर्ज करने में कोई त्रुटि होने की संभावना रहती है। इस समस्या को दूर करने के लिए भारत सरकार ने एक अच्छी पहल की है। अब नागरिक स्वयं ऑनलाइन माध्यम से अपने मकान की जानकारी दर्ज कर सकते हैं। इसके लिए सरकार द्वारा एक विशेष पोर्टल se.census.gov.in जारी किया गया है।

पूछे जाएंगे 34 प्रकार के प्रश्न

मकान सूचीकरण प्रक्रिया के दौरान प्रगणक हर घर में जाकर कुल 34 प्रकार की सूचनाएं प्राप्त करेंगे। इनमें मुख्य रूप से आपका मकान कच्चा है या पक्का, मकान के निर्माण में किस प्रकार की सामग्री का उपयोग हुआ है, घर में पानी की निकासी की क्या व्यवस्था है, घर में टीवी, गाड़ी (वाहन) और अन्य बेसिक सुविधाएं क्या-क्या हैं जैसी सवाल शामिल होंगे। इन सभी 34 प्रश्नों के आधार पर प्रगणक मौके पर ही अपना प्रपत्र (फॉर्म) तैयार करेंगे।

ऐसे कर सकेंगे ऑनलाइन आवेदन

जो भी नागरिक खुद जानकारी भरना चाहते हैं, वे se.census.gov.in पोर्टल पर जा सकते हैं। वेबसाइट पर क्लिक करते ही एक नया पेज खुलेगा। इस पेज पर सबसे पहले नागरिक को अपना मोबाइल नंबर दर्ज करना होगा, जिसके बाद आगे की प्रक्रिया शुरू होगी और वे स्वयं अपना मूल्यांकन प्रपत्र (स्व-मूल्यांकन) भर सकेंगे।

परानियां में अखंड हरिनाम संकीर्तन में उमड़ रहे श्रद्धालु

स्मार्ट हलचल

नाहरगढ़। कस्बे के समीप परानियां गांव में ढोलक की थाप, हारमोनियम की मधुर आवाज, व मंजीरों की झनकार, पावों में घुंघरू बांध प्रदेश सहित देश के कई हिस्सों से आई कीर्तन मंडलियां बुधवार प्रातः 6 बजे से हरे रामा, हरे रामा, कृष्णा, कृष्णा, हरे, हरे, अखंड हरिनाम संकीर्तन कर धर्म प्रेमियों को हरिनाम का गुणगान करवा रही है।इस अवसर पर पूर्व सरपंच देवेन्द्र सिंघल ने सपरिवार हरिनाम कीर्तन में पहूंच कर कार्यक्रम में पहूंच कर भाग लिया, जहां सिंघल परिवार का समिति कुमकुम का तिलक लगाकर स्वागत किया।जानकारी के अनुसार क्षेत्र के परानियां गांव में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ग्रामीणों की ओर

से 16 प्रहर अखंड हरिनाम संकीर्तन करवाया जा रहा है। इसकी शुरुआत मंगलवार को भव्य गंगा कलश यात्रा निकाल कर की गई। क्षेत्र के परानियां गांव में चल रहे अखंड हरिनाम संकीर्तन में श्री कृष्ण नाम का गुणगान कर रही भजन मंडलियां।

सानिध्य में बुधवार को प्रातः 6 बजे से श्री अखंड हरिनाम संकीर्तन प्रारंभहुआ जिसमें 48 घंटे तक लगातार राजस्थान प्रदेश के विभिन्न जिलों, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उड़ीसा सहित पश्चिम बंगाल से आई कीर्तन मंडलियां दो-दो घंटे के अंतराल से अखंड हरिनाम का संकीर्तन करेंगी।

शुद्ध आहार मिलावट पर वार

बढ़ती गर्मी मे मिलावटी, दूषित खाद्य पदार्थो का विक्रय ना करे-डॉ सांमर

स्मार्ट हलचल| बूँदी

बढ़ती गर्मी के मद्देनजर आमजन को मिलावटी दूषित खाद्य पदार्थो का बेचान ना हो इसको देखते हुए. गुरुवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने राज्य के खाद्य सुरक्षा आयुक्त ड़ॉ0 टी शुभमंगला एवं जिला कलेक्टर हरफूल सिंह यादव की ओर से जारी दिशा निर्देशो की पालना मे बून्दी शहर में शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के अन्तर्गत मोबाईल फूड वेन स्टाफ द्वारा कचोरी, समोसा, मिष्ठान भण्डार एवं अन्य प्रष्ठिानों का निरक्षण करवाया गया। सभी कचोरी-समोसा खाद्य कारोबारकर्ताओं को समय-समय पर दुषित तेल को बदलने हेतु निर्देश दिए साथ ही गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए सभी खाद्य

कारोबारकर्ताओं को आम जनता को शुद्ध खाद्य सामाग्री विक्रय करने हेतु आदेशित किया गया।

मेहंदी-संगीत की रौनक के बीच शुरू हुआ सामूहिक विवाह महोत्सव

सामूहिक विवाह महोत्सव में सजी मेहंदी-संगीत की रंगत, आज होंगी वैदिक विधि से शादियां

स्मार्ट हलचल|कोटा

सामाजिक सरोकारों की दिशा में सराहनीय पहल करते हुए आध्या सेवार्थ फाउंडेशन के तत्वावधान में प्रथम सनाढ्य आदिगौड़ सामूहिक निःशुल्क कन्या विवाह महोत्सव का शुभारंभ 30 अप्रैल को हर्षोल्लास के साथ हुआ। दो दिवसीय इस आयोजन में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ सभी वैवाहिक रस्में संपन्न की जा रही हैं।

संस्था के मुख्य संयोजक लोकेश शर्मा ने बताया कि गुरुवार को आयोजित हल्दी-मेहंदी एवं संगीत कार्यक्रम में उत्सव का माहौल देखते ही बन रहा था। दुल्हनों के हाथों में सजी मेहंदी की गहरी रंगत और उसमें रचा अपने जीवनसाथी का नाम, उनके चेहरे की मुस्कान को और भी खास बना रहा था। कोषाध्यक्ष प्रियांशु शर्मा ने बताया कि परिजनों और सखियों ने पारंपरिक गीतों पर झूमकर माहौल को उल्लासमय बना दिया। ढोलक की थाप पर गूंजते मंगल गीतों के बीच दुल्हनें और परिजन खुशी से सराबोर नजर आए। संगीत संध्या में रंग-बिरंगे परिधानों में सजे युवक-युवतियों ने नृत्य प्रस्तुत कर आयोजन में चार चांद लगा दिए

एवं अध्यक्ष शालू शर्मा ने बताया कि इस आयोजन में 8 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न होगा। 1 मई को प्रातः 8 बजे निकासी, 10 बजे तोरण, 11 बजे आशीर्वाद समारोह, दोपहर 1 बजे पाणिग्रहण संस्कार तथा 3 बजे विदाई समारोह आयोजित होंगे। इस अवसर पर ओमप्रकाश टंकारिया, रामस्वरूप शर्मा, प्रेम शास्त्री, मनीष तिवारी, भीष्म कुमार शर्मा, गजेन्द्र जोशी, प्रमोद शर्मा, महावीर पंचोली, विजय भारद्वाज, रघुवर दयाल शर्मा, जितेंद्र शर्मा, सतीश शर्मा, प्रियांशु शर्मा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

रक्तदान शिविर में 119 यूनिट हुआ रक्तदान

स्मार्ट हलचल|उदयपुर

हिरण मगरी सेक्टर 14 स्थित सीए संस्थान भवन में कामर्स कालेज उदयपुर के पूर्व महासचिव स्व. विश्वजीत सिंह शक्तावत के जन्म जयंती के अवसर पर द्वितीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। द्वितीय रक्तदान शिविर में स्व. विश्वजीत सिंह के परिवारजन, समाजजन सहित अधिकाधिक संख्या में मित्र जन उपस्थित रहे। द्वितीय बार के आयोजित रक्तदान शिविर में 119 यूनिट रक्तदान हुआ, स्व. विश्वजीत सिंह का परोपकारी व स्नेहिल व्यवहार के कारण वह सबका प्रिय रहा वह स्वयं भी रक्तदान के प्रति उत्साही रहा था, उसके मित्रजन ने स्व. विश्वजीत सिंह के जन्मदिन को रक्तदान दिवस के रूप में मना कर अपने प्रिय मित्र स्व. विश्वजीत सिंह शक्तावत को याद किया। सनी पोखरना के नेतृत्व में मित्रजन धीरज धुप्पड़, हर्शित कुमावत, तन्मय श्रीमाली, अनिल पंडित, महिपाल, निर्भय सिंह, कलिंग सिंह देवड़ा, अभिसिंह भाटी व अन्य मित्रों ने उपस्थित रह कर सभी को रक्तदान के लिए प्रोत्साहित किया और रक्तदाताओं का मनोबल बड़ाया। आर.एन.टी मेडिकल कॉलेज तथा पेसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, उमरड़ा, उदयपुर की मेडिकल टीम द्वारा प्रातः 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक रक्त युनिट एकत्रित किया गया। परिवारजन द्वारा सभी रक्तदान करने वाले रक्त वीरों को सर्टिफिकेट दिये गये। परिवारजन ने इस परोपकारी कार्य हेतू सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया और रक्तदान शिविर के संयोजक व संचालन कर रहे स्व. विश्वजीत सिंह के सभी मित्रजन का धन्यवाद ज्ञापित किया।

रीझवास में 108 बीघा चारागाह भूमि को किया अतिक्रमण मुक्त

स्मार्ट हलचल| सूरौठ

गांव रीझवास में गुरुवार को तहसील प्रशासन ने करीब 108 बीघा चारागाह भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने की कार्रवाई की। करौली जिला कलेक्टर अक्षय गोदारा के निर्देश पर गांव रीझवास पहुंची राजस्व विभाग की टीम ने चारागाह भूमि का सीमा ज्ञान किया तथा जेसीबी से खुदाई करवा कर भूमि को अतिक्रमण मुक्त किया। इस दौरान काफी संख्या में पुलिस जाब्ता तैनात रहा।

पिछले दिनों गोचर मुक्त संघर्ष समिति रीझवास के सदस्यों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंप कर गांव की चारागाह भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाने की मांग की थी। कलेक्टर के निर्देश पर गुरुवार को सूरौठ तहसीलदार संजीव धाकड़, शेरपुर नायब तहसीलदार हरिशंकर शर्मा, गिरदावर लक्ष्मी नारायण शर्मा, रूमाली बाई मीणा, रामकेश भागौड, पटवारी श्याम सिंह सोलंकी, दिनेश बारोलिया, पंकज जाटव, अमित डागुर, रघुनाथ जाटव, विजयपाल सहित कई राजस्व कर्मी जेसीबी लेकर गांव रीझवास पहुंचे तथा गांव की करीब 108 बीघा चारागाह भूमि का सीमा ज्ञान किया। तहसील प्रशासन ने जेसीबी से चारागाह भूमि को अतिक्रमण मुक्त किया। सीमा ज्ञान एवं अतिक्रमण मुक्त करने की कार्रवाई के दौरान काफी भीड़ मौजूद रही। कार्रवाई के अवसर पर 50 से अधिक पुलिसकर्मी उपस्थित रहे। तहसीलदार संजीव धाकड़ ने बताया कि गांव रीझवास में चारागाह भूमि पर अतिक्रमण करने वाले लोगों के खिलाफ पूर्व में भी धारा 91 के तहत नियमानुसार कार्रवाई की गई थी।अब कलेक्टर के निर्देश पर चारागाह भूमि का सीमा ज्ञान करवा कर अतिक्रमण मुक्त करने की कार्रवाई की गई है। अतिक्रमण मुक्त चारागाह भूमि को विकास एवं संरक्षण के लिए ग्राम पंचायत बाईजट्ट को सुपुर्द किया जाएगा।

खंभा फाड़कर प्रकट हुए भगवान नरसिंह, गोधूलि बेला में किया असुरराज हिरण्यकश्यप का वध

श्री चारभुजा विकास समिति के तत्वावधान में ऐतिहासिक नरसिंह लीला का भव्य मंचन, जयकारों से गूंजा परिसर

स्मार्ट हलचल| बूंदी

शहर में भगवान नरसिंह की जयंती के पावन अवसर पर वर्षो से चली आ रही धार्मिक परंपरा एक बार फिर जीवंत हो उठी। श्री चारभुजा विकास समिति के तत्वावधान में ऐतिहासिक और अलौकिक 'नरसिंह लीला' का भव्य मंचन किया गया। गोधूलि बेला में जब भगवान नरसिंह खंभा फाड़कर साक्षात प्रकट हुए और अहंकारी असुरराज हिरण्यकश्यप का वध किया, तो पूरा प्रांगण भगवान के जयकारों से गुंजायमान हो गया। इस अलौकिक दृश्य को अपनी आंखों में कैद करने और प्रभु का आशीर्वाद पाने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी।

श्री चारभुजा विकास समिति के अध्यक्ष एवं सामाजिक कार्यकर्ता पुरुषोत्तम पारीक ने बताया कि आयोजन का शुभारंभ गुरुवार शाम 6:30 बजे भगवान की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ। समिति के संरक्षक महाराव राजा वंश वर्धन

सिंह द्वारा भगवान नरसिंह की छवि की पूजा की गई, जिसे मुख्य पुजारी पं. गणेश शर्मा और पं. सीताराम शर्मा ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न कराया।

जीवंत हो उठी पौराणिक मान्यता, दैत्यराज का हुआ वध

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, दैत्यराज हिरण्यकश्यप को ब्रह्मा जी से 'ना दिन में मरूं, ना रात में मरूं' का विशेष वरदान प्राप्त था। इसी मान्यता का पूर्णतः पालन करते हुए लीला में ठीक गोधूलि बेला (संध्याकाल) में शाम 6:51 से 7:02 बजे के बीच असुरराज के वध का मंचन किया गया। मंच पर भगवान नरसिंह के रौद्र रूप को अमित दाधीच ने और हिरण्यकश्यप के पात्र को राजेंद्र सोनी ने अपने सजीव अभिनय से साकार कर दिया।

भक्त प्रह्लाद को दिया आशीर्वाद, गूंजी महाआरती

अहंकारी हिरण्यकश्यप के वध के पश्चात क्रोध शांत होने पर भगवान नरसिंह ने अपने परम भक्त प्रह्लाद को दर्शन दिए। प्रभु ने उसे गोद में उठाकर अपना आशीर्वाद प्रदान किया। इस भावविभोर कर देने वाले दृश्य के पश्चात भगवान की भव्य महाआरती उतारी गई। मुख्य आयोजन से पूर्व मंदिर के पिछले हिस्से में एक विशाल भजन संध्या का भी आयोजन हुआ, जो देर तक चली। इसमें श्रद्धालु प्रभु की भक्ति में पूरी तरह सराबोर नजर आए।

भगवान के दर्शनों की प्रबल इच्छा के चलते बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष और बच्चे इस महोत्सव में पहुंचे। पूरा माहौल नरसिंह भगवान व श्री चारभुजा नाथ की जय-जयकार से गूंजता रहा। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ता जोर-शोर से तैयारियों में जुटे रहे। इनमें मुख्य रूप से समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक गर्ग, महामंत्री एडवोकेट अजय नुवाल, प्रचार मंत्री सत्यवान शर्मा, कार्यालय मंत्री जगदीश शर्मा , पूर्व पार्षद राजेश शेरगड़िया, कौशल किशोर शर्मा, रविंद्र सोनीऔर रतन शर्मा (पान वाले) सहित मंदिर के कई नियमित दर्शनार्थियों ने अपनी सक्रिय व अहम भूमिका निभाई।

तांत्रिक प्रयोग हवन पूजन वैदिक मंत्र - प्रखर महाराज

स्मार्ट हलचल

पुष्कर/ अजमेर। नरसिंह चतुर्दशी के पावन पर्व पर गुरूवार को तीर्थ गुरु पुष्कर राज रघुनाथ शाह मंदिर हनुमान गली में गायत्री सतपुर शरण के प्रणेता महामंडलेश्वर 1008 स्वामी प्रखर महाराज का रघुनाथ शाह मंदिर में भव्य समारोह मैं बैंड बाजा पुष्प वर्षा माल्यार्पण,शाल दुपट्टा ओढ़ कर सम्मान करके आशीर्वाद प्राप्त किया ।

इस पावन अवसर पर प्रखर महाराजने धर्म, काम- मोक्ष, आयु आरोग्य के लिए देवी एवं भेरुजी का तांत्रिक प्रयोग हवन पूजन वैदिक मंत्र के द्वारा किया गया। साथ में प्रखर महाराज का शरीर के वजन का तुलादान का आयोजन किया एवं भगवान श्री राघवेंद्र सरकार की माहआरती का आयोजन करके 56 भोग की प्रसादी वितरण की गई ।इस अवसर पर काफी संख्या में धर्म प्रेमी श्रद्धालु पुष्कर निवासी मौजूद थे । सामाजिक कार्यकर्ता अरुण पाराशर, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता दामोदर मुखिया, माधव पाराशर, दिनेश पंडित, मधुसूदन भाऊ, कैलाश रेनबो, सीताराम दाधीच, प्रभु लाल, ऋषि राज, दीपक धर्मावत, गिरीश पाराशर, विपिन पाराशर, अशोक पाराशर, माता चिन्मयानंद ठाकुर, मुलानी दीपक उपाध्याय, कमल वरयानी, राहुल पाराशर, आरव -आरोही आदि बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

साइबर फ्रॉड की घटनाओं की प्रभावी रोकथाम हेतु गठित जिला स्तरीय टास्क फोर्स ' की बैठक का आयोजन

स्मार्ट हलचल|बूंदी

जिला पुलिस अधीक्षक अवनीश कुमार शर्मा ने बताया की भुवनेश्वर, उड़ीसा में आयोजित 59वें महानिदेशक/महानिरीक्षक पुलिस सम्मिट 2024 में तय की गई सिफारिशों क्रमशः 34, 35 व 37 की पालना में महानिदेशक पुलिस साइबर क्राईम, जयपुर द्वारा प्रदत्त निर्देशों की अनुपालना में साइबर फ्रॉड की घटनाओं की प्रभावी रोकथाम हेतु गठित ' जिला स्तरीय टास्क फोर्स ' की माह अप्रेल 2026 की मासिक बैठक पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित की गई।

जिला स्तरीय टास्क फोर्स में मनोनीत सदस्यों श्री मनीष कुमार मीणा, अग्रणी बैंक बून्दी, कोमल मीणा प्रोग्रामर, अमित जैन एसबीआई बैंक, जितेन्द्र छाबडा पंजाब नेशनल बैंक, विकाश सैनी, निकिता माथुर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बूंदी, रोहित यश बैंक,

रामवतार मीणा यूको बैंक व अन्य स्थानीय बैंक प्रतिनिधियों सहित उमा शर्मा अति0 पुलिस अधीक्षक बून्दी ,सुपरविजन/नोडल अधिकारी अदिति चोधरी अति.पु.अधीक्षक, त्वरित अनुसंधान दल ओमप्रकाश मीणा प्रभारी साइबर क्राईम थाना, मुकेन्द्रपाल सिहं सउनि, श्याम सुन्दर सउनि, शैलेन्द्र सिंह हैड कानि. 834, राहुल हैड कानि. 820, सुभाष कानि.753, राजकिरण कानि. 668 साइबर क्राईम थाना बूंदी उपस्थित रहे।

मीटिंग में मुकेन्द्रपाल सिंह सउनि द्वारा साइबर अपराधियों द्वारा आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस का दुरूपयोग कर म्यूल एकांउटों में अवैध लेन-देन को रोकने, साइबर ठगी के नये-नये तरीकों से बचने हेतु ए.आई./एम.एल.टूल्स (ए.आई. से संबंधित प्रक्रिया की एल्गोरिदम, व कार्यप्रणाली मशीनरी लर्निग उपकरणों) के दुरूपयोग को रोकने के संबंध में, म्यूल खाताधारको की केवाईसी करने, उनकी जानकारी साझा करने सहित मुख्य फोकस साइबर फ्रॉड की घटनाओं पर पीडितों के बैंक खातों के लीन, फ्रीज, डेबिट फ्रीज को अनफ्रीज करने के संबंध में तथा अभी हाल ही में Iyc MHA द्वारा मनी रिस्टोरेशन की प्रक्रिया को सरल करने हेतु दो पोर्टलों MRM Money restoration module व GRM Grievance redressal module को बैंकर द्वारा लॉगिन करने व रिस्टोरेशन की संपूर्ण प्रक्रिया की जानकारी दी गई तथा Iyc MHA से प्राप्त लिंक को बैंक प्रतिनिधियों से शेयर किया जाकर मीटिंग में उपस्थित प्रतिनिधियों से विस्तृत चर्चा की गई ।

पुलिस अधीक्षक द्वारा मीटिंग में उपस्थित बैंकों के प्रतिनिधियों से साइबर फ्रॉड में अपराधियों द्वारा म्यूल एकांउटों के सत्यापन व विभिन्न साइबर फ्रॉड संबंधी प्रकरणों/ऑनलाईन शिकायतों की जांच/अनुसंधान के दौरान वांछित आवश्यक बैंक डिटेल्स/रेकॉर्ड समय पर भिजवाने, सहित अपने बैंक शाखाओं पर लगे हुए सीसीटीवी कैमरों को समय पर चैक करते रहने व अभय कमाण्ड सेंटर से लिंक करने, राजकॉप सिटीजन एप को डाउनलोड कर एप पर उपस्थित राजकीय सेवाओं का सदुपयोग करने की विस्तृत जानकारी दी जाकर पीडित खाताधारकों के बैंक खातों पर होल्ड लग जाने पर उनके द्वारा बैंक में विजिट के दौरान बैंक खातो की केवाईसी कर खाते मे जमा हुई फ्रोड की राशि को लीन करते हुए खाते को पुनः चालु करवाना इत्यादि मामलो पर चर्चा की गई।

पुलिस अधीक्षक बूंदी द्वारा आम-जन से अपील है कि आप अपने बैंक खातों से संबंधित आवश्यक दस्तावेजों को संभाल कर रखें एवं किसी के प्रलोभन में आकर अपने बैंक खातों को किसी भी व्यक्ति को उपयोग हेतु तथा अपनी व्यक्तिगत जानकरी किसी को शेयर न करे।

रेलवे ट्रैक के पास आग लगाने की घटनाओं पर रेलवे सख्त, दर्ज कराई गई प्राथमिकी

स्मार्ट हलचल| कोटा

रेलवे ट्रैक के आसपास आग लगने तथा खेतों में पराली जलाए जाने की घटनाओं को पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा मंडल ने गंभीरता से लिया है। रेलवे सीमा एवं ट्रैक के समीप आग लगने से रेल परिचालन प्रभावित होने के साथ-साथ यात्री सुरक्षा को भी खतरा उत्पन्न होता है। इसी को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन द्वारा ऐसी घटनाओं पर सख्त रुख अपनाते हुए संबंधित पुलिस थानों में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ जैन ने बताया कि हाल ही में लवान और घाट का बराना स्टेशनों के मध्य रेलवे ट्रैक के आसपास स्थित खेतों में किसानों द्वारा पराली जलाए जाने के कारण आग रेलवे ट्रैक तक पहुंच गई। आग के कारण रेल परिचालन प्रभावित हुआ तथा स्थिति पर नियंत्रण पाने के लिए रेलवे कर्मचारियों एवं संबंधित एजेंसियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। इस घटना में रात्रि लगभग 01:30 बजे आग पर काबू पाया जा सका। इस संबंध में देईखेड़ा थाने में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई गई है।

इसी प्रकार कोटा क्षेत्र में प्रेम नगर एवं अफोर्डेबल आवास क्षेत्र के पास रेलवे बाउंड्री के समीप लगातार आग लगने की घटनाएं सामने आई हैं। इन घटनाओं को देखते हुए रेलवे प्रशासन द्वारा उद्योग नगर थाना, कोटा में भी प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। प्रारंभिक रूप से ऐसी घटनाओं के पीछे रेलवे ट्रैक के आसपास पराली जलाना, खुले में आग लगाना अथवा रेलवे ट्रैक पार करते समय जलती हुई बीड़ी-सिगरेट फेंकना प्रमुख कारण माने जा रहे हैं। रेलवे प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि रेलवे ट्रैक, रेलवे बाउंड्री अथवा रेल क्षेत्र के समीप आग लगाना अत्यंत गंभीर एवं दंडनीय कृत्य है। इससे ट्रेनों के सुरक्षित संचालन में बाधा उत्पन्न होती है, रेल यातायात में विलंब होता है तथा किसी बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। ऐसे मामलों में दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

रेलवे प्रशासन ने रेलवे ट्रैक के आसपास रहने वाले क्षेत्रवासियों, किसानों एवं आमजन से अपील की है कि रेलवे लाइन के समीप पराली, कचरा या अन्य ज्वलनशील सामग्री न जलाएं तथा जलती हुई बीड़ी-सिगरेट अथवा आग का कोई भी स्रोत रेलवे क्षेत्र में न फेंकें। थोड़ी सी लापरवाही रेल यात्रियों की सुरक्षा और रेल परिचालन के लिए गंभीर खतरा बन सकती है।

यात्रियों एवं आमजन से अनुरोध है कि रेलवे ट्रैक के आसपास आग लगने अथवा संदिग्ध गतिविधि दिखाई देने पर तत्काल रेलवे अथवा स्थानीय प्रशासन को सूचित करें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्यवाही की जा सके और ट्रेनों का सुरक्षित एवं सुचारू संचालन सुनिश्चित किया जा सके।

बीजेपी को प्रचंड बढ़त, बंगाल में 200 सीटों की ओर बढ़ने का दावा

स्मार्ट हलचल | शाश्वत तिवारी

पश्चिम बंगाल की राजनीति हमेशा से ही तीव्र वैचारिक संघर्ष, सांस्कृतिक चेतना और जन आंदोलनों की भूमि रही है। लेकिन इस बार जो तस्वीर एग्जिट पोल के माध्यम से उभरकर सामने आई है, वह राज्य के राजनीतिक इतिहास में एक संभावित भूचाल का संकेत देती है। विभिन्न एजेंसियों द्वारा जारी अनुमानों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को अभूतपूर्व बढ़त मिलती दिखाई दे रही है, यहाँ तक कि 200 सीटों के आंकड़े को छूने या पार करने का दावा किया जा रहा है।

यह दावा केवल एक चुनावी आंकड़ा नहीं, बल्कि उस राजनीतिक बदलाव की ओर संकेत करता है, जिसकी चर्चा पिछले कई वर्षों से हो रही थी। सवाल यह है कि क्या यह बदलाव वास्तव में जमीन पर उतर चुका है, या यह केवल एग्जिट पोल की सीमाओं तक ही सीमित रहेगा?

पश्चिम बंगाल की राजनीति को समझे बिना वर्तमान परिदृश्य का विश्लेषण अधूरा रहेगा। कभी वामपंथ का गढ़ रहे इस राज्य में 34 वर्षों तक सीपीआई के नेतृत्व में वाम मोर्चा का शासन रहा। इसके बाद 2011 में ममता बनर्जी के नेतृत्व में टीएमसी ने सत्ता परिवर्तन किया और 'माँ, माटी, मानुष' के नारे के साथ एक नई राजनीतिक धारा स्थापित की।

लेकिन समय के साथ सत्ता के प्रति असंतोष, प्रशासनिक आरोप, और संगठनात्मक चुनौतियों ने विपक्ष को अवसर दिया, जिसका सबसे अधिक लाभ भाजपा ने उठाया।

कुछ वर्षों पहले तक बंगाल में भाजपा एक सीमित प्रभाव वाली पार्टी थी। लेकिन 2014 के लोकसभा चुनावों से शुरू हुआ उसका उभार 2019 में चरम पर पहुँचा, जब पार्टी ने राज्य में उल्लेखनीय सीटें हासिल कीं। आज एग्जिट पोल चुनावी प्रक्रिया का एक अहम हिस्सा बन चुके हैं, लेकिन उनकी विश्वसनीयता हमेशा बहस का विषय रही है।

इस बार के एग्जिट पोल में भाजपा को जो बढ़त दिखाई गई है, वह सामान्य नहीं है। लगभग 200 सीटों का आंकड़ा पार करने का अनुमान यह दर्शाता है कि मतदाताओं में व्यापक

स्तर पर सत्ता परिवर्तन की इच्छा हो सकती है। हालांकि, यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि एग्जिट पोल नमूना आधारित होते हैं। मतदाताओं की वास्तविक प्राथमिकताएँ कई बार छिपी रहती हैं, क्षेत्रीय विविधता को पूरी तरह मापना कठिन होता है। इसलिए, अंतिम सत्य केवल मतगणना के दिन ही सामने आएगा।

भाजपा इस संभावित जीत को 'परिवर्तन का जनादेश' बता रही है। पार्टी नेताओं का कहना है कि जनता ने विकास, पारदर्शिता और मजबूत नेतृत्व को प्राथमिकता दी है।

दूसरी ओर, टीएमसी इसे 'बाहरी ताकतों का हस्तक्षेप' बताकर अपने समर्थकों को एकजुट करने का प्रयास कर रही है।

यह चुनाव केवल सीटों का नहीं, बल्कि दो राजनीतिक दृष्टिकोणों का संघर्ष बन गया है।

भाजपा ने राष्ट्रीय एकीकरण और विकास का एजेंडा आगे रखा, जबकि टीएमसी ने क्षेत्रीय अस्मिता और स्थानीय नेतृत्व को बड़ा मुद्दा बनाया। भारतीय राजनीति में 'अखाड़ा' केवल कुश्ती का मैदान नहीं, बल्कि शक्ति, रणनीति और धैर्य का प्रतीक है। बंगाल का यह चुनाव भी एक विशाल राजनीतिक अखाड़ा बन गया है, जहाँ कई स्तरों पर मुकाबला हुआ।

यह संघर्ष राष्ट्रवाद बनाम क्षेत्रीय पहचान के बीच था। भाजपा ने राष्ट्रीय मुद्दों को उठाया, जबकि टीएमसी ने बंगाली अस्मिता को केंद्र में रखा। भाजपा ने अपने कैडर को तेजी से विस्तार दिया, जबकि टीएमसी ने अपने पारंपरिक नेटवर्क पर भरोसा बनाए रखा।

सोशल मीडिया, रैलियाँ, रोड शो, हर मंच पर दोनों दलों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी। मतदाताओं के मन में विश्वास और भय, दोनों को प्रभावित करने की कोशिशें हुईं। बंगाल का मतदाता हमेशा जागरूक और राजनीतिक रूप से सक्रिय रहा है। इस बार के चुनाव में कई नए समीकरण देखने को मिले।

युवा मतदाता का रोजगार और अवसरों की तलाश में बदलाव के पक्ष में झुकाव। महिला मतदाता का कल्याणकारी योजनाओं और सुरक्षा के मुद्दे पर निर्णायक भूमिका। ग्रामीण बनाम शहरी वोट, दोनों ही क्षेत्रों में अलग-अलग प्राथमिकताएँ देखी गई हैं। भाजपा ने इन सभी वर्गों को साधने की कोशिश की, जबकि टीएमसी ने अपने मजबूत सामाजिक आधार को बनाए रखने पर ध्यान दिया।

किसी भी चुनाव में नेतृत्व की छवि निर्णायक होती है। भाजपा ने अपने राष्ट्रीय नेतृत्व के साथ-साथ राज्य स्तर पर नए चेहरों को आगे बढ़ाया, जबकि टीएमसी पूरी तरह सिर्फ ममता बनर्जी के नेतृत्व पर निर्भर रही।यह चुनाव कहीं न कहीं 'नेतृत्व बनाम संगठन' की भी परीक्षा बन गया हैं। यदि एग्जिट पोल के रुझान वास्तविक परिणामों में बदलते हैं और भाजपा 200 सीटों के आसपास पहुँचती है, तो इसके कई व्यापक प्रभाव होंगे।

पश्चिम बंगाल का यह चुनाव केवल एक राजनीतिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतंत्र के विशाल अखाड़े का अंतिम दौर है। यहाँ हर दल ने अपनी पूरी ताकत झोंकी, हर रणनीति अपनाई और हर संभव प्रयास किया।

अब निर्णय जनता के हाथ में है, और वही अंतिम निर्णायक होगी।

मतगणना का दिन इस अखाड़े का 'फाइनल मुकाबला' होगा, जहाँ यह तय होगा कि क्या भाजपा वास्तव में 200 सीटों का आंकड़ा पार करेगी? या टीएमसी अपनी जमीन बचाने में सफल होगी? जो भी परिणाम आए, यह चुनाव भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में दर्ज होगा।

दिल्ली से भेजे गए दो बच्चे कानपुर के राजकीय बाल सुधार गृह से भागे

स्मार्ट हलचल

कानपुर। यहां राजकीय बाल सुधार गृह से पढ़ने के लिए जाते समय फरार हुएदो बच्चों का सुराग अभी तक नहीं मिल पाया है । उनकी तलाश लगातार की जा रही है ,लेकिन उनका सुराग समाचार लिखे जाने तक नहीं मिल पाया है। फरार हुए बच्चों में एक बच्चा शहर का है, जबकि दूसरा फतेहपुर का रहने वाला है। घटना के बाद अधीक्षक ने कल्याणपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

मिली जानकारी के मुताबिक फतेहपुर के हेजड़ी नीम बाकरगंज चौकी क्षेत्र निवासी 12 वर्षीय बालक और कानपुर के गंगापुर कॉलोनी, आजाद नगर निवासी 15 वर्षीय किशोर दिल्ली में गुमशुदा हालत में मिले थे।

इसके बाद दोनों को कानपुर के कल्याणपुर स्थित राजकीय बालक गृह भेजा गया, जहां उनकी देखरेख की जा रही थी। बच्चों का दाखिला पास के स्कूल में भी कराया गया था।

यह घटना सुबह तब हुई जब करीब 10 बजे दोनों बच्चों को पढ़ाई के लिए स्कूल भेजा गया था, लेकिन दोपहर करीब 12 बजे दोनों स्कूल से ही फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही राजकीय बालक गृह में हड़कंप मच गया। कर्मचारियों ने तुरंत बच्चों की तलाश शुरू की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लग सका। इसके बाद मामले की रिपोर्टकल्याणपुर थाने में दर्ज कराई गई है । इस बारे में जानकारी देते जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास सिंह ने बताया कि अधीक्षक रतन की ओर से मामले में रिपोर्ट दर्ज कराने के बाद पुलिस दोनों बच्चों की तलाश में जुटी है लेकिन अभी तक उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया है।

मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी हिस्ट्रीशीटर बकरी चोर घायल

स्मार्ट हलचल | खखरेरू/फतेहपुर

थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में बकरी चोरी की वारदातों में वांछित 25 हजार रुपये का इनामी हिस्ट्रीशीटर देर रात पुलिस मुठभेड़ में घायल हो गया। पुलिस ने आरोपी को उपचार के बाद न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया।

पुलिस के अनुसार 27 मार्च को ख्वाजगीपुर थोंन गांव में शाम करीब छह बजे जंगल से बकरियां चराकर लौट रहे अग्रसेन लोधी से कार सवार बदमाश बकरा चोरी कर फरार हो गए थे। घटना के दौरान आरोपियों का मोबाइल मौके पर गिर गया था। इसके बाद 18 अप्रैल को मुबारकपुर गेरिया गांव में बालेंद्र कुमार के घर के बाहर बंधी दो बकरियां कार से चोरी कर ली गई थीं। इससे पहले बरायेपुर गांव के पास पानी टंकी की बाउंड्री में बैठी भेड़ों को चरवाहों को बंधक बनाकर चोरी की वारदात में भी आरोपी शामिल रहा है।

गुरुवार रात मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने भीमपुर नहर पुलिया तिराहे से सड़वा जाने वाली नहर पटरी के पास घेराबंदी की। पुलिस टीम को देखते ही बदमाश जंगल की ओर भागने लगा और पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में चली गोली आरोपी के बाएं पैर में लग गई, जिससे वह घायल होकर गिर पड़ा।

पूछताछ में आरोपी की पहचान गुड्डू उर्फ सोहेल कुरैशी पुत्र मोहम्मद नवाब, निवासी बहलोलपुर ऐलई के रूप में हुई। उसके पास से 315 बोर तमंचा, एक खोखा कारतूस, एक जिंदा कारतूस, दो बकरियां और 2010 रुपये नकद बरामद किए गए। आरोपी पर जनपद सहित अन्य जिलों में चोरी के 17 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

पायलट के खिलाफ अमर्यादित बयान पर कोंग्रेस ने राधामोहन का पुतला फूंका, नारेबाजी कर प्रदर्शन किया

स्मार्ट हलचल | ओम जैन

चित्तौड़गढ़। नगर परिषद के निवर्तमान सभापति संदीप शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेस जनों द्वारा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के खिलाफ अमर्यादित बयान बाजी को लेकर भारतीय जनता पार्टी के राजस्थान प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल का कलेक्ट्रेट पर पुतला फूंक कर उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

इस दौरान कांग्रेस जनों में भारी आक्रोश था एवं कांग्रेस जनों द्वारा राधामोहन दास अग्रवाल के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। उनके द्वारा दिए गए बयान पर सार्वजनिक माफी की मांग की।

इस दौरान निवर्तमान सभापति संदीप शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र में सभी को अपनी अपनी पार्टी की विचारधारा पर बात करने एवं उसका प्रचार प्रसार करने की स्वतंत्रता है, लेकिन लोकतंत्र में हर नेता को अपनी वाणी पर संयम रखना चाहिए एवं किसी भी विपक्षी व्यक्ति पर अर्नगल टिप्पणी या अमर्यादित भाषा का प्रयोग नहीं करना चाहिए, सचिन पायलट पूरे राजस्थान में जन-जन के नेता है एवं कांग्रेस पार्टी के साथ-साथ आम जनता और युवा वर्ग में भी वह बहुत लोकप्रिय है, उनके द्वारा पूरे देश में कांग्रेस को मजबूत करने के लिए जो मेहनत की जा रही है एवं राजस्थान में उनकी लोकप्रियता का जो ग्राफ बढ़ रहा है उससे बौखलाकर भाजपा प्रभारी द्वारा यह टिप्पणी की गई है जो कि भाजपा की एक सोची समझी चाल है। राधा मोहन दास अग्रवाल द्वारा सचिन पायलट पर की गई टिप्पणी की हम सभी कांग्रेस जन विरोध करते हैं एवं श्री राधा मोहन दास अग्रवाल से सार्वजनिक माफी की मांग करते हैं।

इस दौरान वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुमंत सुवालका, जाकिर हुसैन, मंडल अध्यक्ष विजय चौहान, मंडल अध्यक्ष विजय चौधरी, मंडल अध्यक्ष विनोद लढढा, निवर्तमान पार्षद कन्हैया लाल माली, अशोक वैष्णव, देवराज साहू, सुमित मीणा, संदीप सिंह शम्मी, राजू खटीक, अंकुश आदिवाल, राजेश चावला, महेंद्र राठौर, शैलेंद्र सिंह चूंडावत, एनएसयूआई प्रदेश महासचिव अल्पेश गोस्वामी, विधान सभा अध्यक्ष आदित्य चावला, नगर अध्यक्ष अमन खान, ब्लॉक अध्यक्ष जय पारिक, रोहित बोरीवाल, पूर्व अंजुमन सदर मोहम्मद हारून, अंकुश जैन, संजय शर्मा, छवि देशबंधु, अजय गुर्जर, रफीक खान चंदेरिया, पंकज उपाध्याय, प्रदीप सेन, फिरोज खान, सद्दाम पठान सहित सैकड़ो कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भीलवाड़ा में 200 वर्षों पुरानी परम्परा के साथ मनाई गई नृसिंह जयंती

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा के धानमण्डी क्षेत्र में स्थित प्राचीन नृसिंह मंदिर में इस वर्ष भी लगभग 200 वर्षों पुरानी परम्परा के अनुसार नृसिंह जयंती का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहर और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कार्यक्रम संयोजक मोनू तोषनीवाल ने बताया कि मंदिर परिसर को आकर्षक फूलों और रोशनी से सजाया गया था। प्रातःकाल विशेष पूजा-अर्चना और अभिषेक के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इसके बाद भगवान नृसिंह भगवान की झांकी सजाई गई, जिसने भक्तों को विशेष रूप से आकर्षित किया। शाम के समय भजन-कीर्तन और धार्मिक प्रवचनों का आयोजन किया गया, जिसमें भक्तों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार महाआरती की गई, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे। दिलीप तोषनीवाल ने बताया कि यह परम्परा लगभग दो शताब्दियों से लगातार चली आ रही है और हर वर्ष इसे उसी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। स्थानीय लोगों के लिए यह केवल धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक विरासत का भी महत्वपूर्ण हिस्सा है। नृसिंह किरदार नरेश पांडिया, भक्त प्रहलाद अंश तोषनीवाल, हिरण्यकश्यप का किरदार लाला सोनी ने निभाया। आयोजन में पुजारी भूपेंद्र शर्मा, वाद विवाद मंत्रोच्चार सत्यनारायण सुल्तानिया, गोवर्धन सुल्तानिया सहित अशोक, दिनेश, सोनू, राहुल तोषनीवाल का सहयोग रहा। अंत में प्रसादी का वितरण किया गया। पूरे आयोजन के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था के विशेष इंतजाम किए गए थे, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

राजस्थान पुलिस में बड़ा फेरबदल, 52 सीआई बने डीएसपी, सात एडीजीपी को सौंपी रेंज की कमान

स्मार्ट हलच

जयपुर। राजस्थान पुलिस में बुधवार को व्यापक प्रशासनिक फेरबदल किया गया, जिसमें 52 पुलिस निरीक्षकों (सीआई) को पदोन्नत कर उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) बनाया गया है। पदोन्नत अधिकारियों को राज्य के विभिन्न जिलों और विशेष इकाइयों में नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। पुलिस मुख्यालय के अनुसार यह निर्णय प्रशासनिक आधार पर लिया गया है, जिसका उद्देश्य कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करना और विशेष शाखाओं की कार्यक्षमता बढ़ाना है।

इन पदोन्नत अधिकारियों को एंटी करप्शन ब्यूरो, स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप, एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और सीआईडी जैसी महत्वपूर्ण इकाइयों में तैनात किया गया है। नरपत सिंह चारण को एसीबी जयपुर में डिप्टी एसपी बनाया गया है। वहीं रविन्द्र कुमार और मुकेश शर्मा को राजस्थान पुलिस अकादमी में उप पुलिस अधीक्षक पद पर लगाया गया है। महावीर सिंह यादव को स्ब्ज़ जयपुर में जिम्मेदारी दी गई है।

इसके अलावा मदन लाल को प्रतापगढ़, आनंद कुमार को श्रीगंगानगर, बुद्धाराम को बाड़मेर, पुरुषोत्तम महरिया को भरतपुर, निरंजन प्रताप सिंह को जालोर और रामनिवास मीणा को अलवर में साइबर क्राइम शाखा में डीएसपी के रूप में नियुक्त किया गया है।

इसी के साथ पुलिस मुख्यालय ने कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए एक और बड़ा कदम उठाया है। सात अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (ꣳछ्रक्क) स्तर के अधिकारियों को विभिन्न रेंजों की जिम्मेदारी सौंपी गई है, ताकि वरिष्ठ स्तर पर सीधे निगरानी सुनिश्चित की जा सके।

जारी आदेश के अनुसार, एडीजी कार्मिक बीजू जॉजे जोसफ के. को भरतपुर रेंज, दिनेश एम. एन. को जयपुर रेंज, संजीव कुमार नर्जारी को बीकानेर रेंज, विशाल बंसल को कोटा रेंज, हवा सिंह घुमरिया को जोधपुर रेंज व आयुक्तालय, एस. सेंगथिर को उदयपुर रेंज और रुपिन्दर सिंह को अजमेर रेंज का प्रभारी बनाया गया है। महानिदेशक पुलिस (कानून-व्यवस्था) संजय कुमार अग्रवाल द्वारा जारी इस आदेश का उद्देश्य जिलों में कानून-व्यवस्था की स्थिति की नियमित समीक्षा करना और पुलिस मुख्यालय की प्राथमिकताओं को प्रभावी ढंग से लागू करना है। इस नई व्यवस्था से न केवल प्रशासनिक निगरानी मजबूत होगी, बल्कि जमीनी स्तर पर पुलिस की जवाबदेही और कार्यक्षमता में भी सुधार आने की उम्मीद है।

हर्षोल्लास के साथ शंभूपुरा जैन मंदिर पर चढ़ाई ध्वजा

स्मार्ट हलचल

शंभूपुरा। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शंभूपुरा आदिनाथ जैन मंदिर पर हर्षोल्लास से ध्वजारोहण महोत्सव मनाया गया।

अध्यक्ष हस्तीमल सिसोदिया ने बताया कि प्रातः 7:30 बजे से आदिनाथ जैन श्वेतांबर मन्दिर परिसर में विधिकारक नरेंद्र कुमार सिरोहिया द्वारा विधिपूर्वक पूजा करवाई गई, जो करीब 10 बजे तक चली उसके बाद ध्वजा सिर पर धारण कर समाजजनों ने नगर में वरघोड़ा निकाला जो पुनः आदिनाथ मन्दिर पहुंचे जहाँ शुभ मुहूर्त में सभी समाजजनों की उपस्थिति में ध्वजा हस्तीमल सिसोदिया एवं सिसोदिया परिवार द्वारा चढ़ाई गई।

तत्पश्चात आगामी 1 वर्ष के लिए बोलिया लगाई गई जिसमें पक्षाल पूजा के लाभार्थी पराग कोठारी नाकोड़ा रहे, केसर पूजा के करण सिंह सिंघवी, धूप पूजा के भाग्येश जैन, पुष्प पूजा एवं चन्दन पूजा के हस्तीमल सिसोदिया, नाकोड़ा भैरव आरती के लाभार्थी ओम जैन शंभूपुरा एवं आदिनाथ भगवान की आरती एवं मंगल दीपक की बोली हस्तीमल सिसोदिया ने ली। इस दौरान विजय सिंह सिंघवी निम्बाहेड़ा, करण सिंह सिंघवी सतखंडा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय समाजजन मौजूद रहे।

जैन साध्वी यशकंवर की पुण्यतिथि पर विविध कार्यक्रम

चित्तौड़गढ़। शासन ज्योति, मेवाड़ सिंहनी यशकंवर मसा की ग्यारहवीं पुण्यतिथि पर तीन दिवसीय सेवा कार्यक्र आयोजित किये गये। इस अवसर पर 28 अप्रैल को नंदनी गोशाला लालजी का खेड़ा में गौमाता को गुड़ व हरी घास खिलाई गई। दूसरे दिन 29 अप्रैल को सांवलियाजी चिकित्सालय में मरीजों को भोजन, 30 अप्रैल को सांवलियाजी बहुउद्देशीय विकलांग सेवा संस्थान रामदेव जी का चंदेरिया में नेत्रहीन, दृष्टिहीन, विमंदित एवं शारीरिक रूप से विकलांग बच्चों को भोजन कराया गया। इस अवसर पर श्री शीतलवेणी यश सेवा समिति के अध्यक्ष वीरेंद्र पगारिया, महिला मंडल की अध्यक्ष निर्मला कर्णावट, पद्मा पगारिया, रेखा डांगी, विमला पगारिया, निर्मला कोठारी, रचना सिंघवी, अंतिमबाला पोखरना, रतनलाल बोहरा, मनीष पोखरना, महावीर सेठिया आदि श्रावक.श्राविकाएँ उपस्थित रहे।

मीणा समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन शुरू, सतवाड़ा बालागढ़ में कलश यात्रा

स्मार्ट हलचल

टोंक। घाड़ क्षेत्र स्थित सतवाड़ा बालागढ़ में नवम आदर्श मीणा समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन का शुभारंभ मंगल कलश यात्रा के साथ हुआ। यह आयोजन भैरूजी महाराज स्थान, घाड़ रोड पर हो रहा है। सम्मेलन में शामिल होने के लिए पूरे राजस्थान से मीणा समाज के लोग पहुंचने लगे हैं। गुरुवार को आयोजित शोभायात्रा में 251 महिलाएं सिर पर मंगल कलश धारण कर शामिल हुईं। यात्रा के दौरान रथों और प्रमुख स्थानों पर ड्रोन से पुष्प वर्षा की गई। समाज के युवा और बुजुर्ग डीजे की धुन पर उत्साहपूर्वक शामिल हुए।

सम्मेलन का मुख्य आयोजन शुक्रवार, 1 मई (पीपल पूर्णिमा) को होगा। इस दिन जोड़े वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विवाह बंधन में बंधेंगे। इस अवसर पर प्रदेश भर से मीणा समाज के आईएएस, आईपीएस अधिकारी, राजनेता और भामाशाह उपस्थित रहेंगे। अतिथियों के स्वागत की जिम्मेदारी समाज के युवाओं को दी गई है।

आयोजन से पहले मौसम ने आयोजकों के लिए चुनौती खड़ी कर दी। बीती रात आई तेज आंधी और तूफान से सम्मेलन स्थल पर लगे कई टेंटों को नुकसान पहुंचा है। हालांकि, समिति के सदस्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में लगे हुए हैं, ताकि मुख्य समारोह में कोई व्यवधान न हो।

हजारों की संख्या में संभावित भीड़ और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए प्रशासन सतर्क है। टोंक पुलिस अधीक्षक राजेश मीणा के निर्देश पर सुरक्षा और शांति व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु सम्मेलन स्थल तथा प्रमुख मार्गों पर विशेष पुलिस बल तैनात किया गया है। इस बड़े आयोजन में हजारों की संख्या में समाज के लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। इसकी तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

मथुरा में सेक्स रैकेट का पर्दाफाश, पुलिस की कार्रवाई में 9 लोग गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा (भीलवाड़ा)। मथुरा-मथुरा में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए देह व्यापार के एक गिरोह का खुलासा किया है। भगवान श्रीकृष्ण की नगरी के रूप में प्रसिद्ध इस शहर में अनैतिक गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह छापेमारी की गई। मामला थाना कोतवाली क्षेत्र के बाग बहादुर चौकी इलाके का है, जहां डैम्पीयर नगर स्थित गिर्राज गेस्ट हाउस में लंबे समय से अवैध गतिविधियों की सूचना मिल रही थी।

पुलिस को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि गेस्ट हाउस की आड़ में गलत काम किया जा रहा है। इसके बाद पुलिस ने योजना बनाकर छापा मारा। कार्रवाई के दौरान मौके से चार युवतियों और पांच युवकों को संदिग्ध हालत में पकड़ा गया। तलाशी के दौरान पुलिस को कुछ आपत्तिजनक सामान भी मिला, जिससे यह साफ हो गया कि वहां देह व्यापार चल रहा था।

पुलिस ने सभी पकड़े गए लोगों को हिरासत में लेकर उनके खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। साथ ही उन्हें न्यायिक प्रक्रिया के तहत जेल भेजने की तैयारी की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस मामले में आगे भी जांच जारी रहेगी और अगर किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता सामने आती है तो उसके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस पूरी कार्रवाई की जानकारी देते हुए आईपीएस अधिकारी आसना चौधरी ने कहा कि क्षेत्र में किसी भी तरह की अवैध और अनैतिक गतिविधियों को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मथुरा पुलिस आगे भी ऐसे मामलों पर नजर रखेगी और समय-समय पर सख्त कदम उठाए जाएंगे।

युद्ध की आशंकाओं के बीच आशा का सेतुः

ललित गर्ग

इस समझौते की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है कि न्यूजीलैंड द्वारा भारतीय निर्यातकों को लगभग सभी उत्पादों पर शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच प्रदान करना। यह भारतीय उद्योग, विशेषकर श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए एक स्वर्णिम अवसर है। कपड़ा, चमड़ा, इंजीनियरिंग वस्तुएं और प्लास्टिक उत्पाद जैसे क्षेत्रों को इससे अभूतपूर्व बढ़ावा मिलेगा। इससे न केवल निर्यात बढ़ेगा, बल्कि भारत में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते का वैश्विक अर्थ...

वैश्विक परिदृश्य इन दिनों युद्ध की अनिश्चितताओं, तनावों और भू-राजनीतिक खींचतान से भरा हुआ है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान और महाशक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा ने विश्व अर्थव्यवस्था के सामने कई प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। ऐसे समय में भारत और न्यूजीलैंड के बीच 27 अप्रैल 2026 को नई दिल्ली में हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) केवल एक द्विपक्षीय आर्थिक दस्तावेज नहीं, बल्कि वैश्विक निराशा के बीच आशा का एक सशक्त संदेश बनकर उभरा है। यह समझौता उस विश्वास को पुनर्जीवित करता है कि सहयोग, संवाद और साझेदारी ही भविष्य की स्थायी समृद्धि का मार्ग हैं। यह समझौता कई दृष्टियों से ऐतिहासिक है। सबसे पहले, इसे मात्र नौ महीनों में अंतिम रूप दिया जाना अपने आप में एक उपलब्धि है, जो दोनों देशों की प्रतिबद्धता और व्यावहारिक कूटनीति को दशार्ता है। दूसरी ओर, यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब विश्व व्यापार व्यवस्था में बहुपक्षीय संस्थाओं की प्रभावशीलता पर प्रश्न उठ रहे हैं और देश तेजी से द्विपक्षीय या क्षेत्रीय समझौतों की ओर अग्रसर हो रहे हैं। विश्व व्यापार संगठन की धीमी गति और जटिलताओं के बीच यह समझौता एक नई दिशा का संकेत देता है, जहां लचीले और उद्देश्यपरक समझौते अधिक प्रभावी साबित हो रहे हैं।

इस समझौते की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है कि न्यूजीलैंड द्वारा भारतीय निर्यातकों को लगभग सभी उत्पादों पर शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच प्रदान करना। यह भारतीय उद्योग, विशेषकर श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए एक स्वर्णिम अवसर है। कपड़ा, चमड़ा, इंजीनियरिंग वस्तुएं और प्लास्टिक उत्पाद जैसे क्षेत्रों को इससे अभूतपूर्व बढ़ावा मिलेगा। इससे न केवल निर्यात बढ़ेगा, बल्कि भारत में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। भारतीय अर्थव्यवस्था, जो पहले से ही वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रही है, इस समझौते के माध्यम से और अधिक सशक्त होगी। निवेश के क्षेत्र में भी यह समझौता नई संभावनाओं के द्वार खोलता है। अगले 15 वर्षों में न्यूजीलैंड द्वारा भारत में 20 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि विश्वास का प्रतीक है। यह निवेश बुनियादी ढांचे, कृषि, तकनीक और सेवा क्षेत्रों मंव नई ऊर्जा का संचार करेगा। जब कोई विकसित देश किसी उभरती अर्थव्यवस्था में इस स्तर का निवेश करता है, तो यह अन्य वैश्विक निवेशकों के लिए भी सकारात्मक संकेत होता है। इस प्रकार यह समझौता एक ह्यट्रिगर पॉइंटह्व के रूप में कार्य कर सकता है, जिससे भारत में विदेशी निवेश की नई लहर उत्पन्न हो। सेवा क्षेत्र के दृष्टिकोण से यह समझौता और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। आईटी, शिक्षा, वित्तीय सेवाएं, पर्यटन और आयुष जैसे क्षेत्रों में सहयोग से दोनों देशों को लाभ होगा। भारतीय पेशेवरों के लिए न्यूजीलैंड में काम करने के अवसरों का विस्तार, विशेष रूप से हर वर्ष हजारों कार्य वीजा की सुविधा, वैश्विक प्रतिभा प्रवाह को नई दिशा देगा। यह न केवल आर्थिक, बल्कि सांस्कृतिक और बौद्धिक आदान-प्रदान को भी प्रोत्साहित करेगा।

इस समझौते का एक और महत्वपूर्ण पहलू है कृषि सहयोग। न्यूजीलैंड अपनी उन्नत कृषि तकनीकों और उच्च उत्पादकता के लिए जाना जाता है, जबकि भारत के पास विशाल भूमि और विविध जलवायु है। दोनों देशों के बीच सहयोग से कीवी, सेब, शहद और अन्य उत्पादों के क्षेत्र में नई संभावनाएं विकसित हो सकती हैं। इससे भारतीय किसानों को आधुनिक तकनीक, बेहतर उत्पादन और वैश्विक बाजार तक पहुंच मिलेगी। साथ ही, यह भी उल्लेखनीय है कि भारत ने अपने डेयरी और संवेदनशील कृषि क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की है, जो इस समझौते की संतुलित प्रकृति को दशार्ता है। वैश्विक दृष्टि से देखें तो यह समझौता उस समय आया है जब दुनिया व्यापार के नए मॉडल तलाश रही है। एक समय था जब वैश्विक व्यापार मुख्यतः केंद्रीकृत संस्थाओं के माध्यम से संचालित होता था, लेकिन अब देश अपने-अपने हितों के अनुसार लचीले और त्वरित समझौते कर रहे हैं। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में कई महत्वपूर्ण व्यापार समझौते किए हैं, जो उसकी सक्रिय आर्थिक कूटनीति का प्रमाण हैं। यह समझौता भी उसी श्रृंखला की एक महत्वपूर्ण कड़ी है, जो भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखला में और गहराई से जोड़ता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस समझौते को किसानों, युवाओं, महिलाओं, कारीगरों और उद्यमियों के लिए लाभकारी बताना केवल एक राजनीतिक वक्तव्य नहीं, बल्कि इसकी व्यापक सामाजिक-आर्थिक संभावनाओं का संकेत है। यह समझौता समावेशी विकास की अवधारणा को भी सुदृढ़ करता है, जहां आर्थिक प्रगति का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचता है। इस समझौते का एक महत्वपूर्ण संदेश यह भी है कि भारत अब किसी एक देश या क्षेत्र पर निर्भर रहने की नीति से आगे बढ़ रहा है। विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में हो रही देरी के बीच भारत का यह कदम उसकी रणनीतिक स्वतंत्रता और बहुविकल्पीय दृष्टिकोण को दशार्ता है। यह स्पष्ट संकेत है कि भारत अपने लिए नए बाजारों और साझेदारों की तलाश में सक्रिय है, जिससे उसकी आर्थिक स्थिरता और मजबूती बनी रहे। हालांकि, इस समझौते के साथ कुछ चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं। भारतीय उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार होना होगा। गुणवत्ता, नवाचार और लागत-प्रभावशीलता के क्षेत्र में सुधार आवश्यक होगा। साथ ही, सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस समझौते के लाभ व्यापक रूप से वितरित हों और छोटे तथा मध्यम उद्यम भी इसका पूरा लाभ उठा सकें। इसके बावजूद, यह कहना गलत नहीं होगा कि भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता वर्तमान वैश्विक परिदृश्य एक सकारात्मक और प्रेरणादायक पहल है। यह न केव दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाई देगा, बलि वैश्विक व्यापार व्यवस्था में भी एक नई ऊर्जा का संच करेगा। यह समझौता उस दिशा में एक कदम है, ज प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ सहयोग भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा है।

दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा तेजी से आगे बढ़ रहे भारत के लिए न्यूजीलैंड के साथ हु मुक्त व्यापार समझौता केवल एक आर्थिक करार नहीं, बलि एक रणनीतिक छलांग के रूप में देखा जाना चाहिए। य समझौता भारत की व्यापारिक सक्रियता, निर्यात क्षमता अ वैश्विक बाजार में उसकी विश्वसनीयता को नई ऊँचाइयों त ले जाने की क्षमता रखता है। इससे भारतीय उद्योगों, विशेष एमएसएमई, कृषि और सेवा क्षेत्रों को नया विस्तार मिले और भारत वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में अधिक सश उपस्थिति दर्ज कर सकेगा। इस प्रकार के समझौते यह संके देते हैं कि भारत अब केवल एक उभरती अर्थव्यवस्था न बल्कि वैश्विक आर्थिक नेतृत्व की ओर बढ़ता हुआ ए निर्णायक शक्ति केंद्र बन रहा है। वर्ष 2047 में स्वतंत्रता 100 वर्ष पूर्ण होने के लक्ष्य को सामने रखते हुए, ऐसे मु व्यापार समझौते भारत के उज्ज्वल भविष्य के संकेतक प्रत होते हैं। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत जिस प्रकार बहुआया विकास, आत्मनिर्भरता और वैश्विक साझेदारी की दिशा आगे बढ़ रहा है, वह उसे एक सशक्त, प्रभावशाली अ नेतृत्वकारी राष्ट्र के रूप में स्थापित करने का मार्ग प्रश करता है। ये समझौते केवल आर्थिक समृद्धि के साधन न बल्कि भारत को वैश्विक मंच पर एक निर्णायक भूमि निभाने के लिए तैयार करने वाले उपकरण भी हैं। स्पष्ट है ि आने वाला समय भारत के लिए अवसरों से भरा हुआ जहां यह देश न केवल आर्थिक दृष्टि से, बल्कि कूटनीति और रणनीतिक रूप से भी विश्व में अपनी अग्रणी उपस्थि दर्ज कराएगा।

निश्चिततौर पर यह समझौता केवल व्यापार और निवेश त सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक दृष्टिकोण का प्रती है, जिसमें आर्थिक प्रगति, सामाजिक समावेशन और वैश्वि सहयोग का समन्वय है। युद्ध और तनाव के इस दौर में य समझौता एक संदेश देता है कि शांति, साझेदारी और परस् विश्वास ही वह आधार हैं, जिन पर भविष्य की समृद्ध दुनि का निर्माण संभव है। भारत के लिए यह समझौता न केव आर्थिक अवसरों के नए द्वार खोलता है, बल्कि उसे ए जिम्मेदार और दूरदर्शी वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करता है।

संपादकीय

लद्दाख में नई पहल

जम्मू-कश्मीर से अलग होकर नया केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद लद्दाख में जनाकांक्षाओं का जो उफान उठा है, केंद्र सरकार उसकी पूर्ति की दिशा में बढ़ती नजर आ रही है। बीते साल राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची में शामिल किए जाने जैसी प्रमुख मांगों को लेकर स्थानीय संगठन आंदोलित नजर आए थे। अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के क्षेत्र के दौरे से पूर्व लद्दाख को पांच नये जिले मिले हैं। लेह और कारगिल के बाद-दो जिलों से बढ़कर सात जिलों तक का यह विस्तार इस पर्वतीय अंचल में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। निश्चित रूप से इस विशाल भू-भाग वाले, लेकिन कम आबादी वाले क्षेत्र में लोगों की सुविधा के लिए इस कदम की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। दरअसल, लद्दाख के नुब्रा, जांस्कर और चांगथांग जैसे दूरदराज के इलाकों में बुनियादी सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंच बनाने में स्थानीय लोगों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। यह बाधा सिर्फ भौगोलिक ही नहीं थी, बर्फीले दिनों में स्थिति और अधिक कष्टकारी हो जाती है। इसमें दो राय नहीं कि किसी भी क्षेत्र में छोटी प्रशासनिक इकाइयां अधिकारियों को जनता के करीब ला सकती हैं। खासकर लद्दाख जैसे जटिल भौगोलिक परिस्थितियों वाले क्षेत्रों में तो यह और भी जरूरी हो जाता है। निस्संदेह, छोटी प्रशासनिक इकाइयों के चलते सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के तुरंत क्रियान्वयन को सुगम बनाने में मदद मिल सकती है। सही मायनों में उपायुक्तों और पुलिस प्रमुखों की त्वरित नियुक्ति, बिना किसी देरी के सुशासन सुनिश्चित करने की दिशा में एक उत्साहजनक संकेत कहा जा सकता है। हालांकि, स्थानीय जनप्रतिनिधि संगठन नये जिले बनाने से संतुष्ट होते शायद ही नजर आएं। दरअसल, लद्दाख की चुनौतियां महज नौकरशाही तक ही सीमित नहीं कही जा सकती हैं। सही मायनों में ये राजनीतिक, आर्थिक व पर्यावरणीय भी हैं। वे जनाकांक्षाएं भी इसमें शामिल हैं जो लद्दाख के केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद ऊंचे स्तर पर रही हैं। यहां उल्लेखनीय है कि लेह की अस्मिता की रक्षा के लिये आंदोलन चलाने वाले संगठन, मसलन कारगिल लोकतांत्रिक गठबंधन समेत कई स्थानीय समूह, लद्दाख को राज्य का दर्जा दिए जाने और लेह-लद्दाख की संस्कृति की रक्षा के लिये इसे छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग करते रहे हैं। दरअसल, वे इसके लिये संवैधानिक सुरक्षा उपायों को लागू करने का आग्रह करते हैं। इस सप्ताह के अंत तक लद्दाख में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की यात्रा के दौरान स्थानीय संगठन निर्णय स्तर की वार्ता की मांग कर रहे हैं। वे विगत में हुई विभिन्न बैठकों को क्षेत्र के लंबे समय से लंबित मामलों के समाधान के लिये अपर्याप्त बताते रहे हैं।

चिंतन-मनन

सबसे बड़ी दौलत

एक विधवा अध्यापिका के दो बेटे थे। वह उन्हें गुरुकुल में अच्छी शिक्षा दिला रही थी। वह खुद भी अनेक बच्चों को संस्कृत पढ़ाती थी। इससे उसे जो कुछ प्राप्त होता था, उसी से वह अपना जीवनयापन करती थी। उसने अत्यंत गरीबी के दिनों में भी कभी किसी के आगे हाथ नहीं फैलाए। उसके स्वाभिमान को देख अनेक लोग अध्यापिका का बहुत आदर करते थे।

एक दिन एक बहुत बड़े सेठ को अध्यापिका की विद्वता व उसकी निर्धनता के बारे में मालूम हुआ। उस सेठ के कोई संतान नहीं थी। उसने सोचा हुआ था कि वह कुछ गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए उन्हें धन प्रदान करेगा। सेठ अध्यापिका के घर पहुंचा और बोला, देवी, आप निर्भीक व स्वाभिमानी हैं। मैं चाहता हूं कि आपके बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण करें। उसके लिए आप यह कुछ रुपये स्वीकार करें। इसके बाद उसने रुपयों की थैली अध्यापिका की ओर बढ़ाई। अध्यापिका हाथ जोड़कर सेठ से बोली, शायद आपको कुछ भ्रम हो गया है। मैं इतनी गरीब भी नहीं हूं कि अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा न दे पाऊं। मेरे पास जितनी दौलत है, उतनी शायद ही किसी के पास हो। सेठ अचरज से बोला, कहां है दौलत, जरा मुझे भी तो बताइए।

अध्यापिका ने अपने दोनों पुत्रों को आवाज लगाई तो दोनों पुत्र तुरंत वहां आए और अपनी मां के पैर छूने के बाद उन्होंने सेठ के पैर छुए। फिर उन्होंने मां से पूछा, कहिए कैसे याद किया? दोनों पुत्रों की ओर देखकर अध्यापिका बोली, यही दोनों मेरी सबसे बड़ी दौलत हैं। दोनों लड़कों को देखकर सेठ अभिभूत हो गया और बोला, बिल्कुल सही। वास्तव में जिसकी संतान संस्कारी और गुणी है, वह कभी गरीब हो ही नहीं सकता। अध्यापिका ने सेठ से कहा, जो कुछ आप मुझे देने आए हैं, उसे अनाथ बच्चों को शिक्षित करने के लिए दे दें। सेठ ने वैसा ही किया।

आस्था,आधुनिकता व आत्म निर्भरता की पटरी पर दौड़ता 'नव काशी-भव्य काशी'

विनोद कुमार सिंह

प्रधानमंत्री का वाराणसी दौरा–विकास की सौगात, गंगा एक्सप्रेसवे का विस्तार और अमृत भारत एक्सप्रेस के रूप में नई गति का संकल्प...

जब भी काशी की बात होती है, तो यह केवल एक शहर नहीं, बल्कि समय, संस्कृति और चेतना का अनंत प्रवाह प्रतीत होता है।यहाँ हर क्षण में इतिहास की गूंज है और हर दिशा में भविष्य की संभावनाएँ। ऐसे ही एक ऐतिहासिक पड़ाव पर एक बार फिर काशी साक्षी बनी, जब देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान विकास और विश्वास की नई इबारत को मूर्त रूप दिया।प्रधानमंत्री ने वाराणसी से अमृत भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और इसके साथ ही एक नई गति,नई ऊर्जा और नए भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया। अपने उद्बोधन में उन्होंने स्पष्ट कहा कि 'काशी आज केवल आध्यात्मिक नगरी नहीं, बल्कि विकसित भारत के संकल्प की सशक्त धुरी बन चुकी है।यहाँ जो परिवर्तन हो रहा है,वह पूरे देश के लिए प्रेरणा है।' उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि भारतीय रेल का आधुनिकीकरण केवल गति बढ़ाने का प्रयास नहीं,बल्कि आम नागरिक की सुविधा,सुरक्षा और सम्मान से जुड़ा हुआ अभियान है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अमृत भारत एक्सप्रेस जैसी ट्रेनें उन करोड़ों भारतीयों के सपनों को साकार करने का माध्यम हैं,जो कम लागत में बेहतर और सम्मानजनक यात्रा चाहते हैं। यह ट्रेन 'न्यू इंडिया' की उस सोच का प्रतीक है, जहाँ विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का संकल्प सर्वोपरि है।लगभग रू.6,350 करोड़ की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास इस बात का सशक्त प्रमाण है कि विकास अब केवल आंकड़ों की भाषा नहीं बोलता, बल्कि जनजीवन की वास्तविक आवश्यकताओं से सीधे जुड़ता है। वाराणसी में आयोजित महिला सम्मेलन में हजारों महिलाओं की सहभागिता को प्रधानमंत्री ने 'नए भारत की शक्ति' बताते हुए कहा कि नारी सशक्तिकरण ही राष्ट्र सशक्तिकरण का मूल आधार है। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को देश की सबसे बड़ी पूंजी बताया।अमृत भारत एक्सप्रेस के शुभारंभ के साथ काशी ने एक बार फिर यह सिद्ध किया कि यह नगरी केवल आध्यात्मिक चेतना की धारा नहीं बहाती, बल्कि विकास की तेज रफ्तार को भी अपने साथ लेकर चलती है।आधुनिक सुविधाओं से युक्त यह ट्रेन उन यात्रियों के लिए एक नई उम्मीद है,जो सस्ती, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा की आकांक्षा रखते हैं।अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि 'आज का भारत अपनी विरासत पर गर्व करते हुए आधुनिकता की ओर बढ़ रहा है। काशी इसका सबसे जीवंत उदाहरण है,जहाँ परंपरा और प्रगति एक साथ कदमताल कर रही हैं।' इस दौरे के अगले चरण में हरदोई में गंगा एक्सप्रेसवे के उद्घाटन को लेकर भी प्रधानमंत्री ने इसे उत्तर प्रदेश के विकास का 'ग्रोथ इंजन' बताया।लगभग 594 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेसवे राज्य के पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों को जोड़ते हुए आर्थिक गतिविधियों को नई दिशा देगा। उन्होंने कहा कि यह केवल सड़क नहीं,बल्कि अवसरों का राजमार्ग है,जो किसानों,उद्यमियों और युवाओं के लिए नए द्वार खोलेगा।यदि इन सभी पहलुओं को एक साथ देखा जाए,तो स्पष्ट होता है कि यह दौरा केवल परियोजनाओं का उद्घाटन नहीं,बल्कि एक व्यापक परिवर्तन की निरंतर प्रक्रिया का हिस्सा है। काशी आज उस परिवर्तन का प्रतीक बन चुकी है, जहाँ परंपरा और प्रगति एक-दूसरे के पूरक बनकर उभर रहे हैं।

जीवन की यात्रा,रेल की रफ्तार और काशी का साक्षी भाव–यह अनुभव तब और गहरा हो जाता है, जब मैं स्वयं को एक यात्री के रूप में देखता हूँ।रेल की खिड़की से गुजरते दृश्य केवल भौगोलिक नहीं होते वे भीतर की यात्रा को भी गति देते हैं।जब यह यात्रा अयोध्या की ओर बढ़ती है,तो मन स्वतः ही भगवान श्रीराम की मयार्दा,त्याग और आदर्शों से भर उठता है। वहीं काशी पहुँचते ही शिव की मुक्त चेतना का अनुभव होता है।गंगा के तट पर खड़े होकर यह स्पष्ट होता है कि यह यात्रा केवल बाहरी नहीं, बल्कि भीतर की यात्रा भी है। मणिकर्णिका घाट पर जीवन का सत्य सामने आता है–मनुष्य एक यात्री है, आया है और आगे बढ़ जाएगा। 'काश्यां मरणान्मुक्ति का शास्त्रीय वचन यहाँ अनुभव बन जाता है।इ आध्यात्मिक यात्रा के समानांतर भारतीय रेल की विक यात्रा भी निरंतर आगे बढ़ रही है। वाराणसी से अ भारत एक्सप्रेस का संचालन इस बात का प्रतीक है भारत अपनी जड़ों से जुड़े रहते हुए आधुनिकता की अ कितनी दृढ़ता से अग्रसर है।काशी की संध्या आरती जब दीपों की पंक्तियाँ गंगा में तैरती हैं,तो वह दृश्य संदेश देता है कि जीवन का सार केवल उपलब्धियों नहीं,बल्कि आत्मबोध में है। श्रीमद्भगवद्गीता का शाश् संदेश 'न जायते म्रियते वा कदाचित्' यहाँ जीवंत हो उठ है।

अयोध्या से काशी तक की यह यात्रा केवल नहीं,बल्कि उस आध्यात्मिक पथ का प्रतीक है, जहाँ की मयार्दा और शिव की मुक्तता एक साथ अनुभव हो है। और जब इस पूरी यात्रा को मैं एक साक्षी भाव देखता हूँ,तो यह अनुभव होता है कि जीवन स्वयं ए 'अमृत भारत एक्सप्रेस' है -निरंतर गतिमान, स शिक्षाप्रद और अनवरत प्रवाहमान।प्रधानमंत्री के इस ने यह स्पष्ट कर दिया है कि काशी अब केवल अतीत गौरवगाथा नहीं,बल्कि भविष्य की विकासगाथा भी है। वह भूमि है,जहाँ आस्था की जड़ें जितनी गहरी हैं,विक की शाखाएँ उतनी ही विस्तृत हो रही हैं।

जय काशी विश्वनाथ... जय श्रीराम... भारत की यह या अनंत

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

दुनिया में सैन्य खर्च बढ़ा, भारत पांचवें स्थान पर

सुनील कुमार महला

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की ताजा रिपोर्ट-2025...

दुनिया के देश अपने रक्षा बजट या यूं कहें कि सैन्य खर्च में अभूतपूर्व बढ़ोत्तरी कर रहे हैं। वास्तव में, आज के समय में दुनिया भर में सैन्य खर्च कई कारणों से तेजी से बढ़ रहा है। प्रमुख कारणों की यदि हम यहां पर बात करें तो भू-राजनीतिक तनाव और युद्ध(रूस-यूक्रेन युद्ध), इजरायल हमास युद्ध, दक्षिण चीन सागर जैसे संघर्षों ने देशों को सुरक्षा पर अधिक खर्च करने के लिए प्रेरित किया है। पड़ोसी देशों की प्रतिस्पर्धा (जैसे कि भारत, चीन और पाकिस्तान जैसे देशों की आपसी प्रतिस्पर्धा) भी इसके लिए कहीं न कहीं जिम्मेदार है।ये देश अपने सामरिक संतुलन बनाए रखने के क्रम में अपने सैन्य खर्च में बढ़ोत्तरी कर रहे हैं।सरल शब्दों में कहें तो जब एक देश हथियार खरीदता है, तो पड़ोसी देश भी अपनी सेना मजबूत करने लगते हैं। इसे हथियारों की दौड़ कहा जाता है। नई तकनीक और आधुनिक हथियार भी एक प्रमुख कारण बनकर उभरा है। पिछले कुछ समय से ड्रोन, साइबर सुरक्षा, मिसाइल रक्षा प्रणाली, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित हथियार, अंतरिक्ष रक्षा आदि पर भारी निवेश हो रहा है, जैसा कि आधुनिक युद्ध अब केवल सैनिकों से नहीं, तकनीक से भी लड़ा जाता है। आज आतंकवाद और आंतरिक सुरक्षा खतरों जैसे घुसपैठ, नशीले पदार्थों की तस्करी आदि के कारण भी दुनिया के विभिन्न देशों ने अपने सैन्य खर्च में बढ़ोत्तरी की है।वैश्विक शक्ति बनने की महत्वाकांक्षा ने भी सैन्य खर्च में बढ़ोत्तरी को जन्म दिया है।सच तो यह है कि आज के समय में चीन, अमेरिका और रूस जैसे शक्तिशाली देश अपनी सैन्य शक्ति दिखाकर विश्व राजनीति में अपना प्रभाव बढ़ाना चाहते हैं। इतना ही नहीं, आज हथियार उद्योग कई देशों की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा है। रक्षा सौदों से रोजगार, निर्यात और तकनीकी विकास भी जुड़ा होता है। कहना गलत नहीं होगा कि वर्तमान समय में सैन्य खर्च बढ़ना केवल युद्ध की तैयारी नहीं, बल्कि सुरक्षा, शक्ति संतुलन, तकनीकी बढ़त और राजनीतिक प्रभाव का भी संकेत है। लेकिन अत्यधिक सैन्य खर्च से शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास क्षेत्रों पर दबाव भी बढ़ सकता है। इस क्रम में हाल ही में एक प्रतिष्ठित न्यूज एजेंसी के हवाले से यह खबरें आईं हैं कि भारत का रक्षा खर्च 8.9% बढ़ा, और भारत 5वां सबसे अधिक सैन्य खर्च वाला देश बन गया है। दरअसल, हाल ही में आई सिपरी की रिपोर्ट के अनुसार यह जानकारी सामने आई है कि वैश्विक सैन्य खर्च 2,887 अरब डॉलर पार कर चुका है और भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश बन गया है। रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2025 में भारत का सैन्य खर्च 8.9 प्रतिशत बढ़कर 92.1 अरब डॉलर हो गया। गौरतलब है कि स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में वैश्विक सैन्य खर्च 2,887 अरब डॉलर तक पहुंच गया।बड़ी बात यह है कि यह लगातार 11वां साल है, जब वैश्विक सैन्य खर्च में वृद्धि दर्ज की गई है। पाठकों को बताता चलूं कि सबसे ज्यादा खर्च करने वाले पांच देशों में अमेरिका, चीन, रूस, जर्मनी और भारत शामिल हैं, जिनका वैश्विक खर्च में कुल योगदान 58 प्रतिशत है। सरल शब्दों में कहें तो सेना पर सर्वाधिक खर्च करने वाले देशों में अमेरिका, चीन, रूस और जर्मनी आज दुनिया में सबसे आगे पहुंच चुके हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार अमेरिका, यूरोप, चीन, रूस और जर्मनी का सैन्य खर्च क्रमशः 954,864,336,190 तथा 114 अरब डॉलर हो गया है। कहना गलत नहीं होगा कि इससे वैश्विक जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) पर भार में बढ़ोत्तरी हुई है। जानकारी अनुसार दुनियाभर में सैन्य खर्च के चलते वैश्विक जीडीपी पर भार 2024 में 2.4% था, जो 2025 में बढ़कर 2.5% हो गया है। दुनियाभर में सरकारों का सेना पर औसत खर्च 2024 में 7% था, जो 2025 में घटकर 6.9% हो गया है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि ईरान-इजरायल का खर्च घटा है। पाठकों को बताता चलूं कि इजरायल का सैन्य खर्च 4.9 फीसदी घटकर 48.3 अरब डॉलर रहा, वहीं दूसरी ओर ईरान का खर्च लगातार दूसरे साल घटा, तथा वर्ष 2025 में यह 7.4 अरब डॉलर रह गया। आंकड़े बताते हैं कि नाटो का सैन्य खर्च 14 फीसदी बढ़कर कुल 864 अरब डॉलर हो गया, वहीं पर स्पेन ने सैन्य खर्च 50 फीसदी बढ़ाया है, और कुल बजट 40.2 अरब डॉलर हो गया। इधर, मध्य-पूर्व में सेना पर 218 अरब डॉलर खर्च हुए, वर्ष 2024 से 0.1% कम। हाल फिलहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत के रक्षा खर्च में वृद्धि की एक बड़ी वजह पिछले मई में भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष बताया गया है, जिसमें लड़ाकू विमानों, ड्रोन्स व मिसाइलों का इस्तेमाल हुआ। इसी के चलते पाकिस्तान का सैन्य खर्च भी 11 प्रतिशत बढ़कर 11.9 अरब डॉलर हो गया। दरअसल, पाकिस्तान ने चीन से नए हथियार भी खरीदे। गौरतलब है कि इससे वैश्विक स्तर पर सैन्य खर्च का बोझ (जीडीपी के अनुपात में) 2.5 प्रतिशत तक पहुंच गया, जो कि साल 2009 के बाद सबसे अधिक है। मतलब यह है कि प्रति व्यक्ति औसतन 352 डॉलर सैन्य खर्च किया गया। रिपोर्ट बताती है कि अमेरिका का सैन्य खर्च 7.5% घटकर 954 अरब डॉलर रहा, जिसका कारण यूक्रेन को नई वित्तीय सहायता का न मिलना बताया गया। इसके विपरीत यूरोप में 14 प्रतिशत और एशिया व ओशिनिया क्षेत्र में 8.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इतना ही नहीं, चीन दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश है। दरअसल , चीन ने साल 2025 में अपना रक्षा बजट 7.4 प्रतिशत बढ़ाकर 336 अरब डॉलर कर दिया। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि यह लगातार 31 वां वर्ष है ज चीन ने अपने देश का रक्षा खर्च बढ़ाया है। रिपोर्ट अनुसार वैश्विक स्तर पर युद्ध, भू-राजनीतिक तनाव सुरक्षा चिंताओं के चलते देशों ने हथियारों व रक्षा तैयारि पर खर्च बढ़ाया है।

बहरहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि किसी देश द्वारा अत्यधिक सैन्य खर्च के फायदे और नुकस दोनों ही होते हैं। वास्तव में, यह किसी देश की सुरक्ष अर्थव्यवस्था और सामाजिक विकास पर सीधा प्रभ डालता है।अत्यधिक सैन्य खर्च के फायदे यह हैं इससे किसी देश विशेष की जहां एक ओर राष्ट्रीय सुर मजबूत होती है, वहीं दूसरी ओर इससे रोजगार अवसर भी बढ़ते हैं। सरल शब्दों में कहें तो सेना, र उद्योग, हथियार निर्माण, अनुसंधान और तकनीकी क्षे में नौकरियां पैदा होती हैं।अत्यधिक सैन्य खर्च से कि देश कातकनीकी विकास होता है। वास्तव में र अनुसंधान से नई-नई तकनीकें विकसित होती हैं, जिन उपयोग बाद में आम जनता के लिए भी होता है (जै इंटरनेट, जीपीएस आदि)। सैन्य खर्च में बढ़ोत्तरी से देश विशेष का अंतरराष्ट्रीय प्रभाव बढ़ता है। कहना गल नहीं होगा कि आज मजबूत सैन्य शक्ति वाला वैश्विक राजनीति में अधिक प्रभावशाली माना जाता इतना ही नहीं एक फायदा यह भी है कि इससे(अत्यधि सैन्य खर्च से) सेना युद्ध के अलावा बाढ़, भूकं महामारी जैसी आपदाओं में भी मदद करती है। वहीं दूस ओर अत्यधिक सैन्य खर्च की बात करें तो इसके नुकस भी कम नहीं हैं। मसलन, इससे शिक्षा और स्वास्थ्य व्यापक असर पड़ता है। सरल शब्दों में कहें तो ज्य पैसा सेना पर खर्च होने से शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार अ विकास योजनाओं के लिए कम धन बचता है और देश विशेष पर आर्थिक दबाव बढ़ता है। यदि कोई दे अत्यधिक सैन्य बजट खर्च करता है तो इससे सरक घाटा, कर्ज और महंगाई बढ़ सकती है। इतना ही न दुनिया में एक दूसरे की देखा-देखी में हथियारों की ह बढ़ती है, व तनाव व युद्ध का कारण बनता है।सामाजि

बाली के इन मंदिरों को देखे बिना नहीं होगी इंडोनेशिया की ट्रिप पूरी

यदि बाली में सर्वश्रेष्ठ हिंदू मंदिर की बात की जाए, तो उसमें तनाह लोट मंदिर का नाम अवश्य लिया जाता है। तनाह लोट मंदिर एक पर्यटन स्थल के रूप में बहुत लोकप्रिय है। तनाह लोट मंदिर समुद्री क्षेत्र में एक बड़ी मूंगा चट्टान पर बना है।

जब भी बाली घूमने की बात होती है, तो यकीनन सबसे पहले वहां के शानदार बीचेस को एक्सप्लोर करने का ही ख्याल मन में आता है। लेकिन यहां का प्राकृतिक सौंदर्य जितना बेहतरीन है, उतने ही आकर्षक है यहां पर स्थित मंदिर। प्राचीन बाली में कई मंदिर ऊंचे इलाकों और तटों पर स्थित हैं, जो शानदार सदियों पुरानी वास्तुकला को समेटे हुए हैं। भले ही आप स्वभाव से धार्मिक हों या ना हो, लेकिन फिर भी आपको इन मंदिरों में एक बार जरूर जाना चाहिए। यह मंदिर आपको बाली के सांस्कृतिक पक्ष से रूबरू होने का मौका देते हैं, साथ ही साथ मंदिर के पीछे की दिलचस्प इतिहास को जानकर यकीनन बेहद रोमांचित होंगे। तो चलिए आज हम आपको बाली में स्थित कुछ बेहतरीन मंदिरों के बारे में बता रहे हैं-

तनाह लोट मंदिर

यदि बाली में सर्वश्रेष्ठ हिंदू मंदिर की बात की जाए, तो उसमें तनाह लोट मंदिर का नाम अवश्य लिया जाता है। तनाह लोट मंदिर एक पर्यटन स्थल के रूप में बहुत लोकप्रिय है। तनाह लोट मंदिर समुद्री क्षेत्र में एक बड़ी मूंगा चट्टान पर बना है। तनाह लोट मंदिर क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए केवल तभी पहुँचा जा सकता है जब समुद्र का पानी कम हो। समुद्र के ज्वार के समय तनाह लोट मंदिर समुद्र के बीच में स्थित प्रतीत होता है। तनाह लोट मंदिर जाने का सबसे अच्छा समय सूर्यास्त से पहले दोपहर का है। दर्शन के बाद आप यहां पर सूर्यास्त भी अवश्य देखें। तनाह लोट में सूर्यास्त का दृश्य अद्वितीय और बाली में सबसे सुंदर दृश्यों में से एक है।

उलुवातु मंदिर

उलुवातु मंदिर को बाली के लोगों द्वारा पुरा लुहुर उलुवातु भी कहा जाता है और यह बाली में छह मुख्य हिंदू मंदिरों में से एक है। उलुवातु मंदिर अपनी वास्तुकला की विशिष्टता के अलावा, उलुवातु मंदिर स्थान एक बहुत ही खड़ी चट्टान के किनारे पर स्थित है और चट्टानों की समुद्र तल से लगभग 70 मीटर की ऊँचाई है। यहां पर सूर्यास्त के दृश्य के अलावा, उलुवातु मंदिर स्थान से पर्यटक हिंद महासागर के दृश्यों को भी देख सकते हैं। यहां पर आप बाली के डांस भी अवश्य देखें, क्योंकि बाली में एकमात्र स्थान जो सूर्यास्त के दौरान बाली केकक नृत्य पेशकश करता है वह उलुवातु मंदिर में है।

उलुन दानू बेरातन मंदिर

एक झील में एक स्वर्ग, वही वास्तव में उलुन दानू है। बेदुगुल में बेराटन झील के पश्चिमी किनारे पर स्थित, यह एक प्रसिद्ध फ्लोटिंग टेम्प्ल है, और बाली आने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए एक मनोरंजक स्थान है। इसकी संरचना के अलावा, यहाँ का शांत वातावरण और पॉजिटिविटभ् आपके मन, शरीर और आत्मा को फिर से जीवंत करने के लिए एकदम सही हैं। इंडोनेशिया के बाली के सभी मंदिरों में से यह सबसे शांत मंदिरों में से एक है।

बेसकिह मंदिर

बाली के सभी हिंदू मंदिरों में से, बेसकिह यहां पर सबसे बड़ा और सबसे पवित्र मंदिर परिसर है। इसके प्रवेश द्वार से जो एक सीढ़ी की तरह लगता है जो आपको सीधे स्वर्ग में ले जाता है। यकीन मानिए, यहां का वातावरण आपको निश्चित रूप से विस्मय कर देगा! बाली, इंडोनेशिया के सभी मंदिरों में, यह निश्चित रूप से बाली के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है।

शहर की भागदौड़ से ब्रेक चाहते हैं तो घूम आइए हिमाचल की इन जगहों पर

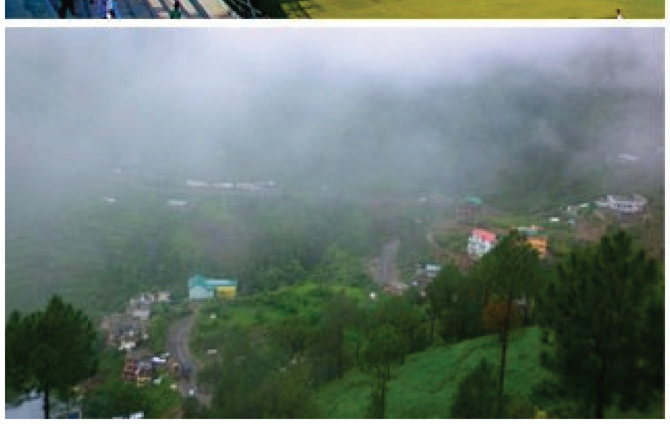

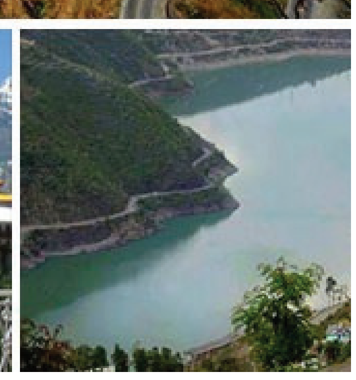

हिमाचल प्रदेश देश की सबसे सुंदर जगहों में से एक है। यह राज्य अपनी प्राकृतिक सुंदरता, शुद्ध और शांत वातावरण और प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों के लिए जाना जाता है। हिमाचल प्रदेश में बहुत से हिल स्टेशन हैं जहाँ देश-विदेश से लोग घूमने आते हैं। यहाँ के ऊंचे पहाड़, खुले हरे मैदान, प्राचीन मंदिर-मठ और नीले पानी की झील नदियाँ पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। शहरों की भीड़-भाड़ और शोर-गुल भरी ज़िंदगी से दूर यहाँ का शांत वातावरण पर्यटकों को शांति प्रदान करता है। आज के इस लेख में हम आपको हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध हिल स्टेशनों की जानकारी देंगे। अगर आप भी घूमने का प्लान बना रहे हैं तो इन जगहों को अपनी लिस्ट में ज़रूर शामिल करें-

शिमला

शिमला हिमाचल प्रदेश की राजधानी होने के साथ-साथ हिमाचल का सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशन भी है। 2200 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह देश की सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है। शिमला का मॉल रोड, रिज, टॉय ट्रेन यहाँ आने वाले पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। शिमला में कई ऐतिहासिक मंदिर और इमारतें भी हैं जिसे देखने दूर-दूर से लोग यहाँ आते हैं। इस शहर की सुंदरता और शुद्ध वातावरण यहाँ आने पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

मनाली

मनाली हिमाचल प्रदेश के सबसे प्रसिद्ध हिल स्टेशनों में से एक है। मनाली हिमाचल के कुल्लू जिले का एक हिस्सा है और यह पीर पंजाल और धौलाधार पर्वतमाला के बर्फ से ढकी ढलानों के बीच स्थित है। समुद्र तल से 1950 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह हिल स्टेशन अपने प्राकृतिक सौंदर्य के लिए मशहूर है। यहाँ के हरे-भरे जंगल, फूलों से सजे मैदान और नदी में बहता ताज़ा पानी पर्यटकों को इस जगह से प्यार करने पर मजबूर कर देता है। यहाँ आकर पर्यटकों को सुकून मिलता है। इस हिल स्टेशन में कई मंदिर, संग्रहालय और प्रसिद्द गाँव हैं। पर्यटक यहाँ पर ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों पर ट्रेक्किंग करते हैं और यहाँ की सुंदरता का आनंद लेते हैं।

धर्मशाला

काँगड़ा घाटी से 17 किलोमीटर दूर स्थित धर्मशाला हिमचाल प्रदेश के सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशनों में से एक है। यहाँ के बर्फ से ढके धौलाधार पर्वत श्रृंखला इस जगह की खासियत हैं और इसे देश के सबसे खूबसूरत पर्यटक स्थलों में से एक है बनाते हैं। धर्मशाला को दलाई लामा के पवित्र निवास स्थान के रूप में भी जाना जाता है। इस शहर को अलग-अलग ऊंचाई के साथ दो हिस्सों में बाँटा गया है। इसके निचले हिस्से में धर्मशाला शहर और ऊपरी हिस्से को मैकलोडगंज के नाम से जाना जाता है। धर्मशाला में तिब्बती संस्कृति देखने को मिलती है और यहाँ बौद्ध धर्म के कई पवित्र स्थल हैं।

स्पीति घाटी

समुद्री तल से 12,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित स्पीति घाटी हिमाचल प्रदेश की सबसे प्रसिद्ध जगहों में से एक है। यह घाटी चारों ओर से हिमालय से घिरी हुई है जो इस जगह को बेहद खास बनाते हैं। स्पीति घाटी में ठंडे रेगिस्तान, बर्फ से ढके पहाड़, घुमावदार सड़कें और सुरम्य घाटियाँ हैं जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। यह जगह यहाँ आने वाले पर्यटकों को उत्साह और रोमांच से भर देती है। स्पीति घाटी देश की सबसे ठंडी जगहों में से एक है और यह जगह साल के लगभग 6 महीने मोटी बर्फ से ढकी होती है।

कसौली

कसौली हिमाचल प्रदेश के सबसे मशहूर हिल स्टेशनों में से एक हैं। यह चंडीगढ़ से शिमला के रास्ते में स्थित एक छोटा सा पहाड़ी शहर है जो हिमालय पर्वत के निचले किनारों पर बसा हुआ है। हिमाचल के दक्षिण-पश्चिम भाग में स्थित कसौली शहरों की भीड़ और चकाचौंध से दूर बसा हुआ एक शांतिपूर्ण शहर है। देवदार के सुंदर जंगलो के बीच बसा कसौली शहर अंग्रेज़ों द्वारा बनाई गई भव्य विक्टोरियन इमारतों के लिए मशहूर है। कसौली की प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण इसे हिमाचल के सबसे खास पर्यटन स्थलों में से एक बनाता है।

किन्नौर

शिमला से लगभग 235 किलोमीटर की दूरी पर स्थित किन्नौर हिमाचल प्रदेश के सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशनों में से एक है। यह जगह को लैंड ऑफ़ गॉड के नाम से प्रसिद्ध है। किन्नौर सतलुज, बसपा और स्पीति नदी के बीच स्थित है और यह जगह अपने हरे-भरे मैदानों और चट्टानी पहाड़ों की सुंदरता के लिए काफी मशहूर है। किन्नौर का किन्नर कैलाश पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है और यहाँ आए पर्यटक किन्नर कैलाश देखने जरुर जाते हैं। माना जाता है कि किन्नर कैलाश भगवान शिव और शिवलिंग का है और इसके साथ ही इस पर्वत का संबंध पांडवों की कहानियों से बताया जाता है। किन्नौर में कई पुराने बौद्ध मठ और मंदिर भी हैं जो बहुत पवित्र माने जाते हैं और इन्हें देखने दूर-दूर से पर्यटक यहाँ आते हैं।

मध्य प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन है 'पचमढ़ी', घूमने के लिहाज से है बेहतरीन

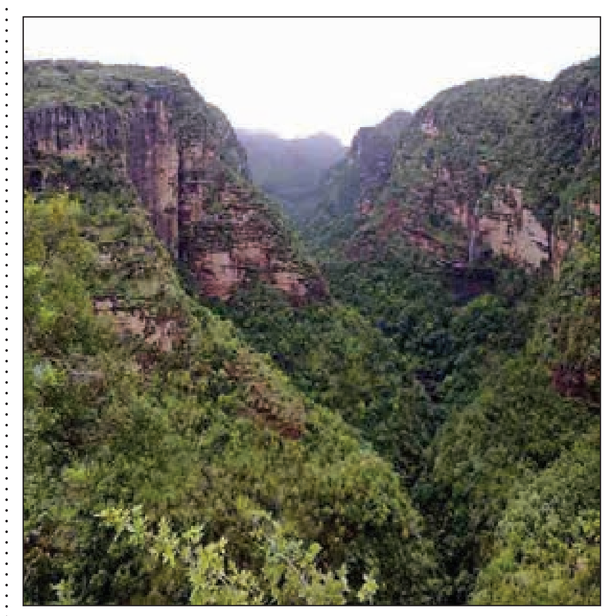

मध्य प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन, पचमढ़ी मध्य प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन है। इसे लोकप्रिय रूप से सतपुड़ा की रानी या क्वीन ऑफ़ सतपुड़ा कहा जाता है। यह हिल स्टेशन 1110 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है और यूनेस्को बायोस्फीयर रिजर्व का हिस्सा है। यह हिल स्टेशन भारतीय इतिहास में भी एक पौराणिक महत्व रखता है। माना जाता है कि यह पांडवों के निर्वासन के दौरान उनका निवास स्थान था। पचमढ़ी पर्यटन स्थलों में कई गुफाएं, झरने, पहाड़ियां, मंदिर और वन्यजीव अभ्यारण्य शामिल हैं जो मध्य प्रदेश के इस खूबसूरत हिल स्टेशन को पर्यटकों के बीच लोकप्रिय बनाते हैं। आज के इस लेख में हम आपको पंचमढ़ी के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों की जानकारी देंगे -

पांडव गुफाएं

पचमढ़ी में घूमने के लिए पांडव गुफाएं सबसे अच्छी जगहों में से एक हैं। शानदार सतपुड़ा पर्वतमाला की पृष्ठभूमि के साथ, पांडव गुफा 5 रॉक-कट बौद्ध मंदिरों का एक समूह है। पौराणिक स्रोतों से पता चलता है कि पांडव अपने निर्वासन के दौरान इन मंदिरों में रुके थे, इसलिए इसका यह नाम पड़ा। 9वीं शताब्दी में बने इन मंदिरों को सुंदर मूर्तियों और नक्काशी से सजाया गया है।

बी फॉल्स

बी फॉल्स, पचमढ़ी में स्थित एक खूबसूरत झरना है। इसे जमुना प्रपात के नाम से भी जाना जाता है। यह जलप्रपात पचमढ़ी घाटी के लिए पीने का पानी उपलब्ध कराता है। यह झरना एक सुंदर भनभनाहट के साथ बहता है इसलिए इसे बी फॉल्स के नाम से जाना जाता है। स्थानीय लोगों के साथ-साथ पर्यटकों के बीच, बी फॉल्स एक लोकप्रिय पिकनिक स्पॉट के तौर पर प्रसिद्ध है। बी फॉल्स में लोग अक्सर तैराकी के लिए जाते हैं। रोमांच पसंद करने वाले लोग धारा को पार करके, बी फॉल्स के माध्यम से दूसरे स्नान कुंड रजत प्रपात तक पहुंच सकता है।

जटा शंकर गुफाएं

जटा शंकर गुफाएं, पचमढ़ी के सबसे पवित्र स्थलों में से एक हैं। प्रचलित लोककथाओं के अनुसार, यह वह स्थान माना जाता है जहां भगवान शिव ने भस्मासुर के प्रकोप से खुद को छुपाया था। जटा शंकर गुफाएं एक विशाल चट्टान की छाया के नीचे एक प्राकृतिक शिवलिंगम का दावा करती हैं। इसके साथ ही, गुफा में पत्थर का निर्माण शेषनाग से मिलता जुलता है। वहीं, गुफाओं में चट्टान का निर्माण भगवान शिव के उलझे हुए बालों से मिलता जुलता है, इसलिए इसका यह नाम पड़ा।

धूपगढ़

धूपगढ़, सतपुड़ा श्रेणी का सबसे ऊँचा शिखर है, जिसकी ऊंचाई 1350 मीटर है। यह न केवल पचमढ़ी का उच्चतम बिंदु है बल्कि मध्य प्रदेश और मध्य भारत का उच्चतम बिंदु भी है। पचमढ़ी में सूर्यास्त देखना एक अद्भुत अनुभव है। इसके अलावा, यह स्थान एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल भी है। पर्यटकों के बीच, धूपगढ़ घूमने का सबसे अच्छा मौसम मानसून के दौरान होता है। बारिश के मौसम में यह स्थान बादलों से आच्छादित होता है।

बड़ा महादेव गुफा

बड़ा महादेव गुफा, पचमढ़ी से लगभग 10 किमी दूर स्थित है। यह भगवान महादेव का एक पवित्र तीर्थ है। यह 60 फीट लंबी गुफा है, जिसके अंदर भगवान ब्रह्मा, भगवान विष्णु और भगवान गणेश के भी मंदिर हैं। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, बड़ा महादेव गुफा वह स्थान है जहां भगवान विष्णु ने एक दिव्य सौंदर्य मोहिनी का रूप लेकर राक्षस भस्मासुर का वध किया था। इसमें गुफा से लगातार पानी गिरता रहता है जो एक कुंड में जमा हो जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस कुंड में स्नान करने से कई बीमारियों का इलाज होता है।

रजत प्रपात

रजत प्रपात, पचमढ़ी का सबसे बड़ा जलप्रपात है। इस जलप्रपात का नाम रजत प्रपात इसलिए पड़ा क्योंकि जब इस पर सूरज की रोशनी पड़ती है तो यह चांदी के रंग में चमकता है। रजत प्रपात को 'सिल्वर फॉल' के नाम से भी जाना जाता है। यह झरना 107 मीटर की ऊँचाई से गिरता है। यह भारत का 30वां सबसे ऊंचा जलप्रपात है। रजत प्रपात को सतपुड़ा की रानी कहा जाता है।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com